RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 166 , बुधवार, 29 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

कारगिल विजय दिवस पर 71वीं वाहिनी एसएसबी में शहीदों को श्रद्धांजलि, स्कूली बच्चों ने जगाई ... 03

31 जुलाई तक सदस्यता नवीनीकरण नहीं कराने वालों की सदस्यता होगी समाप्त : महेश सिन्हा 04

बॉक्स ऑफिस पर गट्टा कुश्ती 2 बनीं ऐश्वर्या लक्ष्मी की तीसरी हाईएस्ट... 07

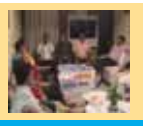

नए एंटी ड्रोन सिस्टम के साथ राफेल की होगी और तेज डिलीवरी

● डसॉल्ट के पास 208 विमानों का ऑर्डर, नए 'एंटी-ड्रोन' सिस्टम से होगा लैस

पेरिस (एजेंसी)। राफेल बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने 2026 की पहली छमाही में 12 राफेल लड़ाकू विमान सौंप दिए हैं और साल खत्म होने से पहले 16 और विमान सौंपने की योजना है। इस शेड्यूल के हिसाब से फ्रांसीसी कंपनी 2025 में सौंपे गए 26 राफेल विमानों की संख्या को पार कर जाएगी।

पहली छमाही में सौंपे गए विमानों में से दो फ्रांस को दिए गए जबकि 10 विमान एक्सपोर्ट ग्राहकों को सप्लाई किए गए। डसॉल्ट ने विदेशी ग्राहकों के नाम नहीं बताए। जून के आखिर में कंपनी के पास राफेल के 208 विमानों के ऑर्डर पेंडिंग थे। इससे प्रोडक्शन का एक बड़ा आधार मिलता है क्योंकि डसॉल्ट फ्रांस और विदेशी ग्राहकों को लगातार विमान सौंप रहा है। साल के अंत से पहले ऑर्डर बुक में और विस्तार हो सकता है। जुलाई में यूक्रेन ने 16

राफेल खरीदने के लिए फ्रांस सरकार से एक समझौता किया था। भारत भी 114 राफेल विमानों के संभावित ऑर्डर पर फ्रांस से बात कर रहा है। इसके अलावा इराक ने अलग से राफेल में दिलचस्पी जताई है।

फ्रांस का राफेल कार्यक्रम हथियार एकीकरण पर भी आगे बढ़ रहा है। फ्रांस ने राफेल के साथ एक नए 68 मिमी गाइडेड रॉकेट को एकीकृत करने का काम पूरा कर लिया है। फ्रांस के आयुध महानिदेशालय यानि डीजीए ने कहा कि परीक्षण 7 जुलाई को पूरे हो गए। यह परियोजना 31 दिसंबर 2025 को शुरू हुई और इसे डसॉल्ट एविएशन और थेल्स के साथ चलाया गया। इस हथियार का मकसद लंबी दूरी तक घूमने वाले हथियारों और मानव रहित हवाई वाहनों को निशाना बनाना है। इसका एकीकरण कम लागत वाले हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए एक और विकल्प जोड़ता है। 68 मिमी निर्देशित रॉकेट वर्तमान में छोटी और मध्यम दूरी पर ज्यादा एडवांस लक्ष्यों के खिलाफ इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों से भी सस्ता है।

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करे सरकार

सुप्रीम आदेश, कहा-छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था

जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पहली नजर में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत दिखती है।

छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने वालों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र जांच से प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी। 18 साल से कम उम्र के जिन प्रदर्शनकारियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। पुलिस कार्रवाई की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होगी, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों की जवाबदेही तय होगी। प्रदर्शन से जुड़े सीसीटीवी, ड्रोन, बॉडी कैमरा और दूसरे डिजिटल सबूत सुरक्षित रखे जाएं। दिल्ली समेत 8 राज्यों से जवाब मांगा गया, जिन लोगों पर पहले कोई केस नहीं था, उनके खिलाफ फिलहाल कोई सख्त कार्रवाई नहीं होगी।

सुनवाई खत्म अगली तारीख 3 अगस्त तय

सुनवाई के आखिर में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जुनैद मलिक की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की मांग का विरोध किया। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि पहले याचिका की सभी तकनीकी कमियां दूर की जाएं। इसी दौरान एक वकील ने अपनी याचिका भी सूचीबद्ध करने की मांग करते हुए कहा कि हिरासत में लिए गए छात्रों की मदद के दौरान उन पर भी हमला हुआ था। बेंच ने कहा कि इस मामले पर बुधवार को सुनवाई होगी, जबकि बाकी संबंधित मामलों को सोमवार को सुना जाएगा। जरूरत पड़ने पर अंतरिम आदेश भी जारी किए जाएंगे।

सभी प्रदर्शनकारियों की एफआईआर वापस होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने बताया कि सभी प्रदर्शनकारियों की एफआईआर वापस होंगी। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और रत्ना ने सोमवार रात एक बजे वीडियो जारी कर यह जानकारी दी। सौरव ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधि (दिल्ली पुलिस के अफसर) मिलने आए थे। हमने उन्हें बताया कि आशंका है कि सरकार ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं होंगे। उन्होंने बिहार सरकार के गृह विभाग की प्रेस रिलीज दिखाई। इसमें लिखा है कि सभी प्रोटेस्टर्स की एफआईआर वापस ली जाएंगी और भविष्य में भी कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा। हमारी आशंका थी कि प्रदर्शनकारियों को किसी राज्य में नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

सरकार ने हमें गारंटी दी है कि

ऐसा न हो, इसलिए इसका एक नोटिफिकेशन निकाला जाएगा, ताकि प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहें। भविष्य में भी उनके खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं होगा। इससे पहले सीजेपी ने सोमवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली गई तो नए प्रदर्शन होंगे। प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा- सरकार समझौते का उल्लंघन कर रही है।

बीजेपी के रथ के सामने थे तेजस्वी यादव, ऊपर से बरसने लगे पर्चे

● बिहार के बांकीपुर चुनाव प्रचार के अंतिम दिन हाईवोल्टेज नजारा

पटना (एजेंसी)। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन मंगलवार को राजधानी पटना का सियासी तापमान चरम पर पहुंच गया। मतदान से पहले आखिरी दिन भाजपा, राजद और जन सुराज समेत सभी प्रमुख दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। जगह-जगह रोड शो, जनसंपर्क अभियान के जरिए मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश की गई। इसी दौरान पटना के सिटी सेंटर मॉल के पास चुनावी माहौल उस समय गरमा गया, जब भाजपा और राजद के रोड शो आमने-सामने आ गए। दोनों दलों के समर्थकों की भारी भीड़ मौके पर मौजूद थी। इसी बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजद नेता तेजस्वी के काफिले की ओर बड़ी संख्या में पर्चे फेंके।

तेजस्वी के पास भी पहुंचे पर्चे

जैसे ही दोनों काफिले आमने-सामने पहुंचे, भाजपा कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव की ओर पंपलेट उड़ाने शुरू कर दिए। बताया गया कि मना करने के बावजूद कुछ कार्यकर्ता पर्चे उड़ाते रहे। इस दौरान पवन सिंह ने तेजस्वी को देख हाथ जोड़कर नमस्कार किया। रविशंकर प्रसाद ने भी नेता प्रतिपक्ष का अभिवादन किया। तेजस्वी ने मुस्कुराकर हाथ हिलाए। कई पंपलेट तेजस्वी यादव तक भी पहुंच गए। हालांकि, इस दौरान तेजस्वी यादव मुस्कुराते नजर आए और उन्होंने कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी। बाद में मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा, इन लोगों की हरकतों से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

सभी बड़े पदों पर संघ के लोग, एनटीए चीफ पर कार्रवाई क्यों नहीं

● पेपर लीक बिल पर लोकसभा में बहस, गौरव गोगोई ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में पेपर लीक रोकने वाले विधेयक पर चर्चा का आगाज हो गया है। पब्लिक एग्जामिनेशन्स (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026 पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने चर्चा शुरू की। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में भी पेपर लीक होते थे। उन्होंने ये भी जोड़ा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ मंजूर नहीं है। वहीं पेपर लीक बिल पर बहस के दौरान गौरव गोगोई ने केंद्र को घेरा। उन्होंने कहा कि सभी बड़े पदों पर आरएसएस के लोग, एनटीए चीफ पर कार्रवाई क्यों नहीं की। **जितेंद्र सिंह ने शुरू की बिल पर चर्चा**- केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेपर लीक बिल पर चर्चा में कहा कि कल इस विधेयक को पेश किया गया था। असल में पहले के बिल - पब्लिक एग्जामिनेशन्स प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स एक्ट 2024 - में एक संशोधन है, जिसे भी इसी सरकार ने पेश

किया था। और न सिर्फ पेश किया था, बल्कि यह शायद आजाद भारत के इतिहास में अपनी तरह का पहला बिल था। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि पहले का बिल और आज का संशोधन, एक तरह से, देश के छात्रों और युवाओं के कल्याण की रक्षा के लिए इस सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को फिर से पुष्ट करते हैं। और साथ ही, यह प्रधानमंत्री मोदी के उस संकल्प को भी दोहराता है कि भारत माता के बच्चों के भविष्य के साथ किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। इसलिए, इस बिल को एक तरह से भारतीय संसद के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने वाला कानून कहा जा सकता है।

जितेंद्र सिंह ने गिनाया कब-कब हुआ पेपर लीक- केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीए के समय हुए पेपर लीक की लिस्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- 2009- रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड। 2011- ऑल इंडिया इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जामिनेशन। 2012- नई दिल्ली एंट्रेंस पेपर लीक। 2013- महाराष्ट्र सेकेंडरी सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन। जितेंद्र सिंह ने कहा कि अगर मैं इनकी लिस्ट बनाता रहा, तो बिल पर चर्चा नहीं कर पाऊंगा... 2010-एंट्रेंस एग्जामिनेशन, उत्तर प्रदेश; 2012।

धर्मेन्द्र प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया

लोकसभा में परीक्षा संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि देशभर के युवाओं ने अपने आंदोलन से इस सरकार को झुका दिया। अपने भाषण में अखिलेश ने कहा कि युवाओं ने सरकार के खिलाफ नारा दिया- झुकाने वाला चाहिए, सरकार भी झुकती है। सरकार झुकी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। लेकिन, सरकार ने 'प्रधान' को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया। अखिलेश यादव ने अपने भाषण में कहा कि छात्रों के आंदोलन के बाद सरकार परीक्षा संशोधन बिल ला रही है, लेकिन सरकार अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी तक नहीं रोक पाई।

जापान के कुमामोटो में 6.8 तीव्रता का भूकंप

● 40 से ज्यादा घायल, सड़कें उखड़ीं, दीवारें गिरीं

कुमामोटो (एजेंसी)। जापान के दक्षिणी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का भूकंप आया है। इससे पहले भूकंप की तीव्रता 7.1 बताई गई थी। जापान मौसम एजेंसी के मुताबिक भूकंप का केंद्र कुमामोटो के तटीय शहर उटो के पास 10 किमी की गहराई में था। शुरुआती झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। रॉयटर्स के मुताबिक, भूकंप के झटकों में अब तक 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। साथ ही, 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि बिजली बहाल करने का काम जारी है। भूकंप के कारण कई इलाकों में सड़कों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गईं। कई जगह आग लगने की भी खबरें हैं।

बाढ़ से पत्थरों का सैलाब, घरों में घुसा मलबा

● हिमाचल के चंबा में बाढ़-बारिश से भारी तबाही ● उत्तराखंड में चारधाम यात्रा स्थगित, झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते चारधाम यात्रा दो दिन रोक दी गई है। दिल्ली में मंगलवार सुबह जोरदार बारिश हुई। इससे जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में मंगलवार सुबह एमबीए स्कॉलर युवती की करंट लगने से मौत हो गई।

● **बंगाल से उत्तराखंड तक बादल छाए, बारिश का अलर्ट**- मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500 किमी एरिया में बादल छाए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है। डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन्ग मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून ट्रफ के असर से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, बंगाल, झारखंड, बिहार में भारी बारिश हो सकती है। हरियाणा में मौसम विभाग ने अगले दो दिन तेज बारिश की चेतावनी जारी की है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी के 69 हजार शिक्षक भर्ती में न्याय की नई उम्मीद जगी

सुप्रीम कोर्ट बोला-सभी पक्षों की सहमति बनी तो आर्टिकल-142 से देंगे फैसला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की बहुचर्चित 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण सुनवाई की। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की डिवीजन बेंच ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए एडजस्टमेंट प्लान पर सभी पक्षों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सभी पक्षों की सहमति के

आधार पर संविधान के अनुच्छेद- 142 के तहत मामले का एकबारगी निस्तारण करने का सुझाव दिया। कोर्ट ने सभी पक्षों को सहमति बनाने और उसे शपथ-पत्र के माध्यम से अदालत को अवगत कराने के लिए शुक्रवार तक का समय दिया है। यदि सभी पक्ष सहमत हो जाते हैं, तो 4 अगस्त 2026 को होने वाली अगली सुनवाई में 142 के तहत बहस होगी।

कश्मीर में 50-फीट गहरी खाई में गिरी मंदसौर की बस

एमपी-राजस्थान के 40 श्रद्धालु सवार थे, अमरनाथ दर्शन के बाद वैष्णो देवी के लिए निकले थे

मंदसौर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बालटाल से श्रीनगर जा रही मंदसौर की बस मंगलवार को 50 फीट गहरी खाई में गिर गई। बस में करीब 40 श्रद्धालु सवार थे, जो अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे। इनमें मध्य प्रदेश और राजस्थान के यात्री शामिल हैं। हादसे में सभी यात्री घायल हुए हैं। दो को गंभीर

चोटें आई हैं। हादसा सुबह करीब 7 बजे गांदरबल जिले के रंगा मोड़ के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहत-बचाव दल ने सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल कंगन ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सौरा, श्रीनगर रेफर किया गया। जानकारी के मुताबिक, ज्यादातर यात्रियों को मल्टीपल इंजरी और हेड ट्रॉमा है। मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने हालचाल जाना।

मेटा ने पहले मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

कहा-तकनीकी गड़बड़ी से हटा पीएम ने छात्रों को मैसेज दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो मेटा ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था। इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने

यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था। इधर, न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है। **23 जुलाई को पीएम ने वीडियो मैसेज पोस्ट किया था**- 23 जुलाई की रात 12 बजे एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए 2.56 मिनट के वीडियो मैसेज में मोदी ने कहा- पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे चलाएगा 12 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें, श्रावणी मेला 2026 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए

हाजीपुर। श्रावणी मेला 2026 के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए 12 जोड़ी श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों के परिचालन की घोषणा की है। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन विभिन्न राज्यों और प्रमुख शहरों से देवघर, मधुपुर, भागलपुर, साहिबगंज, पटना, गोरखपुर एवं अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों के लिए किया जाएगा। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि इन ट्रेनों का परिचालन जुलाई के अंतिम सप्ताह से शुरू होकर अगस्त और सितंबर तक अलग-अलग तिथियों में किया जाएगा। इनमें जयनगर–आसनसोल, रक्सौल–देवघर, राघोपुर–देवघर, दानापुर–साहिबगंज, पटना–इस्लामपुर, हावड़ा–नटेसर, रांची–भागलपुर, बढ़नी–देवघर, इतवारी–मधुपुर, आसनसोल–गोरखपुर तथा आसनसोल–पटना सहित विभिन्न रूटों पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन होगा। इन स्पेशल ट्रेनों का लाभ बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं को मिलेगा। कई ट्रेनें हाजीपुर, बरौनी, किउल, जसीडीह, भागलपुर, सुलतानगंज, मुंगेर, समस्तीपुर, शाहपुर पटोरी, झाझा और पटना जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी, जिससे बड़ी संख्या में कांवरियों और श्रद्धालुओं को सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय, ठहराव और आरक्षण की जानकारी प्राप्त कर ही यात्रा करें तथा भीड़भाड़ को देखते हुए पर्याप्त समय लेकर स्टेशन पहुंचें। रेल प्रशासन का कहना है कि श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने की आत्महत्या, घर से एक किमी दूर पेड़ से लटका मिला शव

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर स्थित गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के जढुआ गांव में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव घर से लगभग एक किलोमीटर दूर एक पेड़ से लटका मिला। राहगीरों ने जब पेड़ से लटके शव को देखा, तो उन्होंने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर गंगा ब्रिज थाने की पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही गंगा ब्रिज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान जढुआ गांव निवासी स्वर्गीय राम इकबाल राय के बेटे मिथिलेश राय(40) के रूप में हुई है।

मिथिलेश पटना में मजदूरी का काम करता था और उसके दो छोटे बच्चे हैं। मृतक के बड़े भाई राजेश राय ने बताया कि मिथिलेश का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद वह घर से एक किलोमीटर दूर जाकर शिशो के पेड़ पर फांसी लगा ली। स्थानीय लोगों ने उन्हें घटना की सूचना दी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। इस संबंध में गंगा ब्रिज थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि जढुआ में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। सूचना मिलते ही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

वैशाली में नवविवाहिता का संदिग्ध परिस्थिति में मिला शव, मायके वालों ने हत्या का लगाया आरोप

हाजीपुर। वैशाली के देसरी थाना क्षेत्र के मुरौवतपुर गांव में एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर से बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मुरौवतपुर निवासी अरविंद भगत की पत्नी संगीता कुमारी(26) के रूप में हुई है थी। संगीता कुमारी की शादी वर्ष 2021 में हुई थी। मृतका के मायके वालों ने इसे हत्या बताते हुए पुलिस को लिखित आवेदन दिया है। उनके अनुसार, शादी के कुछ दिनों बाद से ही संगीता की सास और देवर उसके साथ मारपीट करने लगे थे। मृतका के चचेरे भाई अवधेश भगत ने बताया कि जब अरविंद भगत कुछ दिन पहले बाहर चले गए थे, तब रविवार सुबह करीब सात बजे संगीता के देवर ने फोन कर सूचना दी कि उनकी बहन ने फांसी लगा ली है। मायके वाले जब मौके पर पहुंचे, तो संगीता का शव चौकी पर लेटा हुआ था। घर पर केवल सास मौजूद थीं, जबकि अन्य सदस्य फरार थे। उन्होंने बताया कि संगीता के गले पर रस्सी के निशान और शरीर पर एक-दो जगह चोट के निशान भी थे। सूचना मिलने पर देसरी थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस के आने से पहले ही सास रेखा देवी और उनका बेटा अंकित कुमार मौके से भाग निकले। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। संगीता कुमारी अपने छह भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं और उनकी एक तीन वर्षीय पुत्री भी है। इस घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

20 दिन पहले दुबई से लौटे युवक की मौत, 9 साल पहले लव मैरिज की थी, भाई बोला- मेरे भाई की हत्या हुई है

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र में दुबई में टेलर मास्टर का काम करने वाले 30 साल के मोहम्मद सद्दाम का शव नहर किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। 9 साल पहले प्रेम विवाह करने वाले सद्दाम बकरीद पर अपने ससुराल आए थे और वहीं रह रहे थे। शव पर गले और सिर में गहरे जख्म मिलने के बाद परिजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए सड़क हादसे का रूप देने की साजिश का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को सड़क दुर्घटना मान रही है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट होने की बात कह रही है। मृतक की पहचान मुसहरी थाना क्षेत्र के चक लहलहाद गांव निवासी मो. इस्लाम के 30 वर्षीय बेटे मोहम्मद सद्दाम के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पारू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर किनारे से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। मृतक के बड़े भाई मो. मोनाजिर ने बताया कि सद्दाम ने करीब 9 वर्ष पहले पारू थाना क्षेत्र के मझौलिया गांव की युवती से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद वह अधिकतर समय ससुराल में ही रहता था और कभी-कभी अपने पैतृक गांव आता था। वह दुबई में टेलर मास्टर का काम करता था और बकरीद के अवसर पर घर लौटा था। इसके बाद से वह ससुराल में ही रह रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि सद्दाम की मौत सड़क दुर्घटना में नहीं हुई है। शव के गले पर धारदार हथियार से वार के निशान हैं और सिर पर भी गंभीर चोटें मिली हैं। उनका कहना है कि पहले उसकी हत्या की गई और फिर शव को सड़क किनारे फेंककर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पूरा परिवार सदमे में है। वहीं, मृतक के साले मो. शाहनवाज आलम ने बताया कि घटना के समय वह बिल्डिंग निर्माण कार्य में लगे थे। इसी दौरान बहन का फोन आया कि सद्दाम की मौत हो गई है। जब तक वह मौके पर पहुंचे, पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर जा चुकी थी। उन्होंने कहा कि सद्दाम शाम में बाजार जाने के लिए निकला था। इसके बाद उसका शव मिला। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध है और निष्पक्ष जांच से ही सच्चाई सामने आएगी। इधर, पारू थानाध्यक्ष ने बताया कि सड़क किनारे एक युवक का शव बरामद हुआ है। प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होता है। हालांकि मृतक के गले पर धारदार हथियार जैसे निशान भी मिले हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों का आवेदन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हत्या और सड़क दुर्घटना, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

बिहार के छात्रों के साथ मिलकर एनएसयूआई करेगी आंदोलन

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बेऊर जेल में बंद प्रदर्शनकारियों से की मुलाकात, कहा- शिक्षा का स्तर गिर रहा

एजेंसी, पटना

पटना के बेऊर जेल मंगलवार को NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ पहुंचे। उनके साथ बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु भी मौजूद थे। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर सहित बेउर जेल में बंद अन्य आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। विनोद जाखड़ में ऐलान किया है कि बिहार के छात्रों के साथ मिलकर NSUI एक बड़ा आंदोलन करेगी। जिस तरह से पेपर लीक हो रहे हैं और शिक्षा के स्तर को कम कर दिया गया है, एजुकेशन इंस्टीट्यूशन को राजनीतिक अखाड़ा बना दिया गया है। हर जगह पेपर लीक, प्राइवेटाइजेशन, एग्जाम समय पर नहीं होना, रिजल्ट भी टाइम पर नहीं आ रहा है, इसे लेकर यह आंदोलन होगा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी जेल में बंद है जिनसे आज मुलाकात हुई।

'परिवार को पता नहीं कि उनके बच्चे कहां': कई परिवारों को अब तक यह भी नहीं बताया गया कि उनके बच्चों को कहां रखा गया है, लेकिन साथियों का हौसला बुलंद है। हमारे साथियों ने मुलाकात के दौरान कहा कि वे डरने या झुकने वाले नहीं हैं। उनके भीतर आज भी भगत सिंह का साहस और संघर्ष जीवित है। उन्होंने संकल्प लिया है कि शिक्षा बचाने, छात्रों के अधिकारों की रक्षा करने और सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

बिहार सरकार ने इन नौजवानों के भविष्य को बेच दिया: छात्रों ने बताया कि किस तरीके से उन्हें क्रिमिनल की तरह गिरफ्तार किया गया। उन्हें टॉर्चर किया गया। उनके कनपट्टी पर बंदूक रखकर एंकाउंटर की धमकी दी गई। यह छात्र बस एजुकेशन सिस्टम में सुधार चाहते हैं। जो धांधली चल रही है, खरीद फरोख्त चल रही है, वह बहुत ही चिंताजनक है। यह छात्र बस अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए लड़ रहे हैं। हम लोग लगातार उनके साथ खड़े हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी संसद में इसके लिए आवाज उठाई है। कोटा और देहरादून में संवाद के बाद अब बिहार में NSUI एक बड़ा आंदोलन करने वाली है। बिहार सरकार ने इन नौजवानों के भविष्य को बेच दिया है।

22 जुलाई की रात छात्र संघ अध्यक्ष हुए थे गिरफ्तार: 22 जुलाई को प्रोटेस्ट के बाद पुलिस ने देर रात को पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर सहित 45 लोगों को गिरफ्तार किया था। गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास तक हंगामे, उपद्रव, तोड़फोड़ हुए थे। दर्ज मामलों में पुलिस पर पथराव, सरकारी कार्य में बाधा, सड़क जाम, सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने, पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ और मारपीट जैसे आरोप शामिल हैं।

पटना सिटी में युवक की चाकू मारकर हत्या

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार देर रात युवक की चाकू मारकर हत्यी कर दी गई है। मृतक सूरज कुमार है, जो बिजली डेकोरेशन का काम करता है। सूरज पर चाकू से कई बार किए गए हैं। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन पुलिस पुरानी और आपसी रंजिश को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

- सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हो रही छापेमारी

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल को घेर दिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी हो रही है। इसके अलावा आसपास के सीसीटीवी भी खंगाले जा रहे हैं। घटना खाजेकला थाना क्षेत्र के मोगलपुरा के टिकिया टोली की है।

गिरफ्तारी के लिए छापेमारी हो रही: पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। पुलिस स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर घटना की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। हत्या के बाद स्थानीय लोगों ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी शिव शंकर कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस ने अनुसंधान शुरू कर दिया है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

जदयू ऑफिस के पास दिव्यांग की मिली लाश

एजेंसी, पटना

पटना में जदयू ऑफिस के बगल में मिलर ग्राउंड में एक शख्स की लाश मिली है। मृतक इतवारपुर का रहने वाला सन्नी (34) है, जो दोनों पैर से दिव्यांग है। पैरों में रॉड लगी है। शर्ट-पैंट के साथ हेलमेट भी पहन रखा है, पर आसपास स्कूटी नहीं मिली। हाथ में एक झोला है। नाक से खून और मुंह से झाग निकल रहा था। जहां लाश मिली है वो काफी रिहायशी इलाका है। एक तरफ पार्टी दफ्तर है, तो दूसरी तरफ स्कूल और जजेज आवास है। मृतक के भाई ने कहा कि कल शाम से ही सन्नी लापता था। सुबह मौत की सूचना मिली।

रात 12 बजे घर आ जाता था सन्नी: भाई अभिषेक कुमार ने कहा कि सन्नी जोमाटो-स्विगी का काम करता था। रात 12 बजे वो काम के बाद घर लौट जाता था, पर सोमवार की रात वो नहीं आया। हमलोग जब सुबह उठे तो देखा सन्नी घर में नहीं है। आसपास उसकी खोजबीन की। दोस्तों से भी पूछा, लेकिन कहीं उसका पता नहीं चला। जिसके बाद सन्नी की मौत की सूचना हमें मिली। सन्नी की स्कूटी और मोबाइल गायब है। कोतवाली थानेदार अजय कुमार ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। पहचान करने की कोशिश की गई है। आसपास के लोगों ने भी देखा है, लेकिन किसी ने कुछ नहीं बताया है। एफएसएल से जांच कराई गई है।

तेजस्वी पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने फेंके पैंपलेट्स रोड शो के दौरान आरजेडी-बीजेपी आमने-सामने

एजेंसी, पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार का आज आखिरी दिन है। सभी पार्टियों ने आज अपनी ताकत झोंक दी है। पटना के सिटी सेंटर मॉल के पास BJP और RJD कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए। BJP कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव के काफिले पर अपने पंपलेट उड़ाए। BJP के प्रचार रथ पर पार्टी प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा, MLC पवन सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और विधायक संजीव चौरसिया मौजूद थे।

- पीके का दावा- नीतीश कुमार का वीडियो एआई जेनेरेटेड

विधानसभा उपचुनाव के लिए 30 जुलाई को वोटिंग होगी। आज यानी 28 जुलाई शाम प्रचार-प्रसार थम जाएगा। 30 जुलाई को वोटिंग होगी। नतीजे 3 अगस्त को आएंगे।

नीतीश कुमार बयान दे दें, मैं दावेदारी छोड़ दूंगा: PK: इधर, जनसुराज के संस्थापक और कैंडिडेट प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि नीतीश कुमार की वोट अपील वाला वीडियो फेक और AI जेनेरेटेड है। उन्होंने कहा, 'मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वह नीतीश कुमार का असली वीडियो नहीं है। बीजेपी हार चुकी है। 220 विधायकों, मंत्रियों, सरकारी तंत्र को लगाने के बाद अब ऐसे हथकंडे अपना रही है। एनडीए कैंडिडेट के पक्ष में माहौल बनाने की पूरी कोशिश की गई है।'

बता दें कि कल बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने वीडियो संदेश जारी कर बांकीपुर की जनता से NDA प्रत्याशी को जिताने की अपील की है। वीडियो में पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने कहा, 'बांकीपुर क्षेत्र के प्यारे मतदाताओं को मेरा प्रणाम। आप जानते हैं कि आपके विधानसभा क्षेत्र में 30 जुलाई को मतदान होगा। आप सभी के विश्वास सहयोग और आशीर्वाद से हमने दो दशकों में न्याय के साथ विकास को पूरी ईमानदारी से धरातल पर उतारने का काम किया है।

विकास की इस गति को बनाए रखने और विकसित बिहार के निश्चय को पूरा करने के लिए आपका एक-एक वोट जरुरी है। आप सभी मतदाताओं से आग्रह है कि आप एनडीए के युवा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को अपना आशीर्वाद दें और मतदान के दिन कमल छाप पर बटन दबाकर भारी मतों से विजयी बनाएं।'

पटना में 4.76 करोड़ से बनेंगे तीन नए पार्क

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना में लोगों को बेहतर ग्रीन एरिया और मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) तीन नए आधुनिक पार्क विकसित करेगा। ये पार्क मीठापुर, किदवईपुरी और पाटलिपुत्र क्षेत्र में बनाए जाएंगे। जिसमें तालाब, सेल्फी प्वाइंट-योगा शेड की सुविधा रहेगी। तीनों पार्क के निर्माण पर 4.76 करोड़ की लागत आएगी। बुडको ने तीनों परियोजनाओं की योजना तैयार कर ली है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। इन पार्कों के बनने से स्थानीय लोगों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और आसपास के क्षेत्रों की खूबसूरती भी बढ़ेगी।

- किदवईपुरी-पाटलिपुत्र और मीठापुर में होगा निर्माण; तालाब, सेल्फी प्वाइंट-योगा शेड की रहेगी सुविधा

तीनों परियोजनाओं में सबसे बड़ा पार्क मीठापुर रहेगा: तीनों परियोजनाओं में सबसे बड़ा पार्क मीठापुर में पुराने बस स्टैंड के सामने न्यू बाइपास के दक्षिणी हिस्से में विकसित किया जाएगा। लगभग 138 मीटर लंबे और 27 मीटर चौड़े इस पार्क के निर्माण पर करीब 1.85 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। दक्षिणी पटना का यह पहला आधुनिक पार्क होगा, जहां लोगों को एक साथ कई अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। मीठापुर पार्क को आकर्षक बनाने के लिए इसमें तालाब, सेल्फी प्वाइंट, ओपन जिम, योगा शेड, बच्चों के लिए प्ले एरिया, शौचालय और वॉकिंग पाथ विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा पार्क में हाई मास्ट लाइट, आकर्षक पेंटिंग और बेहतर ड्रेनेज सिस्टम भी बनाया जाएगा, जिससे पूरे परिसर को सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा सके।

किदवईपुरी पार्क का होगा कायाकल्प: वार्ड-25 स्थित ठाकुर प्रसाद सामुदायिक भवन के पास आदर्श कॉलोनी में स्थित किदवईपुरी पार्क का भी जीर्णोद्धार किया जाएगा। करीब 36 मीटर लंबे और 32 मीटर चौड़े इस पार्क के विकास पर 1.67 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पार्क में वाटर फाउंटेन, योगा शेड, पाथ-वे, हाई मास्ट लाइट, बच्चों के खेलने के उपकरण और मिथिला पेंटिंग के जरिए विशेष सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

पाटलिपुत्र में भी बनेगा नया पार्क: पाटलिपुत्र अंचल के वार्ड-5 स्थित बैंक ऑफ इंडिया कॉलोनी में भी नया पार्क विकसित किया जाएगा। लगभग 32 मीटर लंबे और 17 मीटर चौड़े इस पार्क के निर्माण पर 1.22 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यहां भी आधुनिक सुविधाओं के साथ हर आयु वर्ग के लोगों के लिए मनोरंजन और व्यायाम की व्यवस्था की जाएगी।

बच्चों-बुजुर्गों को मिलेगा सबसे अधिक लाभ: तीनों पार्कों में योग, व्यायाम, सैर और बच्चों के खेलने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पार्कों के निर्माण से उन इलाकों में ग्रीन एरिया की कमी दूर होगी, जहां लंबे समय से ऐसे सार्वजनिक स्थलों का अभाव था। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सुबह-शाम टहलने वाले लोगों को इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा। इसके साथ ही आसपास का वातावरण भी अधिक स्वच्छ, हरा-भरा और आकर्षक बनेगा।

पटना मेट्रो अक्टूबर से खेमनीचक स्टेशन पर रुकेगी

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो अभी 5 स्टेशन पर चल रही है। मगर इसमें से 4 स्टेशन पर ही इसका ठहराव है। अब अक्टूबर से खेमनीचक स्टेशन पर भी मेट्रो ट्रेन रुकेगी। पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की बैठक में इसका निर्णय लिया गया है। यहां इंटरचेंज स्टेशन होने से निर्णाण कार्य में देरी हुई है। यहां से कॉरिडोर वन का रूट निकल रहा है। यह मीठापुर तक एलिवेटेड ट्रैक होगा। खेमनीचक से मीठापुर तक 3.1 किमी एलिवेटेड मेट्रो का निर्माण 85% पूरा हो गया है।

मीठापुर-खेमनीचक एलिवेटेड रूट 2027 में होगा शुरू: सोमवार को हुई बैठक में बेली रोड पर अंडरग्राउंड टनल के निर्माण के दौरान विद्युत भवन, विकास भवन और पटना जू के पास ट्रैफिक डायवर्जन कर यातायात सुचारू रखने का निर्देश दिया गया। एमडी संदीप कुमार आर. पुडकलकट्टी ने कहा कि मेट्रो परियोजना के हर खंड और निर्माण पैकेज की समीक्षा की गई है। अधिकारियों और एजेंसियों की टीम को निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। कॉरिडोर-1 के तहत मीठापुर से खेमनीचक तक 3.1 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड स्ट्रेच को जून 2027 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें जगनपुरा, रामकृष्णा नगर और मीठापुर स्टेशन हैं।

23 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट अबतक 40% कम बरसात

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून की सक्रियता कमजोर है। इस वजह से मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। विभाग ने आज राज्य के 23 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी, गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। वहीं, राज्य के बाकी 15 जिलों में मौसम सामान्य रहेगा।

- खगड़िया में बारिश, ब्लॉक ऑफिस में घुसा पानी, बांका में बिजली से 3 की मौत

दिनभर धूप निकलने से लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। पटना में बादलों की आवाजाही के बावजूद उमस और गर्मी बनी रहेगी। इधर, खगड़िया में आधे घंटे की बारिश में ब्लॉक ऑफिस में पानी भर गया। जबकि सड़क पर जमा पानी में बच्चे खेलते नजर आए। बांका में भी हल्की बारिश हुई। इस दौरान 3 लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई है। बीते 24 घंटे में नालंदा, जहानाबाद, बेगूसराय, औरंगाबाद, बगहा, अररिया और सुपौल में बारिश हुई। कई जिलों में बादल छाए रहे, हवा भी चली। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, बिहार में इस समय मानसूनी ट्रफ की स्थिति बार-बार बदल रही है। इसके कारण वातावरण में नमी तो बनी हुई है, लेकिन पूरे राज्य में एक साथ व्यापक बारिश नहीं हो रही। दिन में तेज धूप निकलने से गर्मी और उमस बढ़ जाती है।

पटना में सुधा उत्पाद बेचेंगी 200 स्मार्ट दुकानें

एजेंसी, पटना

पटना स्मार्ट सिटी की पुरानी योजना के तहत करीब 6.5 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 200 प्री-फैब्रिकेटेड दुकानों को अब कॉम्फेड (सुधा) को सौंपने की तैयारी है। गर्दनीबाग हाई स्कूल के पास रखी इन दुकानों को पहले जीविका को देने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए जीविका को पत्र भी भेजा गया था, लेकिन अब योजना में बदलाव करते हुए दुकानों को कॉम्फेड के सहयोग से राजधानी के प्रमुख स्थानों पर स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

- 6.5 करोड़ की प्री-फैब्रिकेटेड शॉप लगाने के लिए 40 जगह चिह्नित, दीघा वेंडिंग जोन बनेगा पार्किंग एरिया

पटना स्मार्ट सिटी और कॉम्फेड के बीच दुकानों के संचालन और स्थापना को लेकर समन्वय स्थापित हो चुका है। इन दुकानों पर पटना स्मार्ट सिटी और कॉम्फेड का संयुक्त लोगों लगाया जाएगा। दुकानों को सुधा बूथ की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां दूध, दही, लस्सी, पेड़ा, आइसक्रीम और बोतलबंद पानी समेत अन्य उत्पादों की बिक्री होगी। इन दुकानों के संचालन की जिम्मेदारी टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से लोगों या एजेंसियों को दी जाएगी। आचार संहिता समाप्त होने के बाद प्रस्ताव को पटना स्मार्ट सिटी की बोर्ड बैठक में अंतिम मंजूरी के लिए रखा जाएगा। बोर्ड की स्वीकृति मिलने के बाद दुकानों की स्थापना और संचालन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

पार्क, चौराहों और सरकारी कार्यालयों के पास लगेंगी दुकानें: प्री-फैब्रिकेटेड दुकानों को शहर के पार्कों, प्रमुख चौराहों और सरकारी कार्यालयों के आसपास स्थापित करने के लिए जगह चिह्नित की जा रही है। अब तक करीब 40 स्थानों की पहचान की जा चुकी है। प्राथमिकता के आधार पर पहले पटना शहर के भीतर दुकानों को लगाया जाएगा। शहर के अंदर पर्याप्त जगह नहीं मिलने पर बची हुई दुकानों को बाहरी इलाकों में स्थापित किया जाएगा।

दीघा वेंडिंग जोन की योजना में बदलाव: जेपी गंगा पथ पर रोजाना लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम को देखते हुए दीघा वेंडिंग जोन की योजना में भी बदलाव किया गया है। अब इस क्षेत्र को वाहन पार्किंग के रूप में विकसित करने की तैयारी चल रही है। वेंडिंग जोन में पहले से स्थापित की जा रही दुकानों को हटाकर जगह खाली कराई जा चुकी है। दीघा वेंडिंग जोन के लिए अब वैकल्पिक और उपयुक्त स्थान की तलाश की जा रही है। नई जगह तय होने के बाद वहां दुकानों को स्थापित किया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि पार्किंग की सुविधा विकसित होने से जेपी गंगा पथ पर वाहनों का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है।

शुरुआत में जेपी गंगा पथ पर करीब 15 करोड़ रुपए की लागत से 500 दुकानें स्थापित करने का प्रस्ताव था। इस साल जनवरी में दुकानों की संख्या घटाकर 250 कर दी गई। बाद में योजना में फिर बदलाव करते हुए करीब 7.17 करोड़ रुपए की लागत से 50 अत्याधुनिक और ब्रांडेड दुकानें विकसित करने का निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

छात्रों पर कार्रवाई लोकतंत्र पर हमला, गिरफ्तार छात्रों की बिना शर्त रिहाई हो : गप्पू राय

पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस की प्रेस वार्ता, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को बताया जनआक्रोश का परिणाम

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने मंगलवार को नगर के गांधी आश्रम, बंजरिया पंडाल में आयोजित प्रेस वार्ता में छात्रों पर हो रही सरकारी कार्रवाई को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला बताया। उन्होंने कहा कि छात्र आंदोलन के दौरान सरकार द्वारा की जा रही दंडात्मक कार्रवाई और गिरफ्तारियां पूरी तरह अनुचित हैं। सरकार को यह भी बताना चाहिए कि पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा। यदि बेरोजगारी बनी रही तो ऐसे आंदोलन आगे भी होते रहेंगे। श्री राय ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भाजपा सरकार के पतन की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने इसे देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर बढ़ते जनआक्रोश और असंतोष का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि केवल इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि सरकार को शिक्षा सहित अन्य विभागों में जवाबदेही तय करते हुए व्यापक सुधार करने होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण है और इसमें बदलाव की आवश्यकता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की कि देशभर में छात्र आंदोलनों के दौरान दर्ज सभी प्राथमिकी तत्काल वापस ली जाएं तथा गिरफ्तार छात्रों को बिना शर्त रिहा किया जाए। उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप भी वापस लेने की मांग की। श्री राय ने कहा कि देश को मजबूत और रोजगारपरक शिक्षा व्यवस्था की जरूरत है। यदि छात्रों के साथ अन्याय जारी रहा तो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उनके संघर्ष में मजबूती से साथ खड़ी रहेगी और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इस पूरे मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाने का श्रेय कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जाता है, जिन्होंने छात्रों की आवाज को प्रभावी मंच दिया। प्रेस वार्ता में मदन प्रसाद कुशवाहा, मो. आसैदुर्रहमान खान, ऋषि सिंह, डॉ. जेयाउल हक, मो. आबिद हुसैन, सत्येंद्र नाथ तिवारी, अमित कुमार, मो. नेयाज अहमद खान, धनंजय तिवारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

सात साल बाद भी न्याय का इंतजार:

हत्या के शिकार नाइट गार्ड के बेटे को अब तक नहीं मिली अनुकंपा नौकरी

बीएनएम@ पताही। वर्ष 2019 में ज्योति सूर्य प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल, पताही के नाइट गार्ड राम नारायण बैठा की हत्या के सात वर्ष बीत जाने के बाद भी उनके परिवार को अनुकंपा के आधार पर नौकरी नहीं मिल सकी है। परिवार का आरोप है कि घटना के बाद जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की ओर से कई आश्वासन मिले, लेकिन आज तक किसी भी वादे को पूरा नहीं किया गया। बेला बैजू गांव निवासी राम नारायण बैठा विद्यालय में नाइट गार्ड के पद पर कार्यरत थे। वर्ष 2019 में उनकी हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच में मामला नौकरी के विवाद से जुड़ा बताया गया था। तत्कालीन थानाध्यक्ष विकास तिवारी के नेतृत्व में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी अवनीश मंडल समेत गजेंद्र मंडल, विवेक मंडल, रंजीत पासवान और संजीत पासवान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना के बाद स्थानीय विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने मृतक के पुत्र रणवीर बैठा को उसी विद्यालय में अनुकंपा के आधार पर नाइट गार्ड के पद पर नियुक्त कराने का आश्वासन दिया था। परिजनों का कहना है कि वर्षों बीत जाने के बावजूद नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, जबकि विद्यालय में नाइट गार्ड का पद अब भी रिक्त बताया जा रहा है। मृतक के पुत्र रणवीर बैठा ने बताया कि उनके पिता परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी हत्या के बाद परिवार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का भरोसा तो मिला, लेकिन आज तक केवल आश्वासन ही मिला है। रोजगार नहीं मिलने के कारण परिवार का भरण-पोषण करना बेहद मुश्किल हो गया है। रणवीर बैठा ने राज्य सरकार, शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते नौकरी मिल जाती, तो परिवार की आर्थिक स्थिति संभल सकती थी। अब भी उन्हें उम्मीद है कि सरकार और प्रशासन उनके परिवार को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

पुलिस पर हमला, डकैती, दहेज हत्या व हत्या के प्रयास समेत विभिन्न मामलों में 9 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस पर हमला, डकैती, दहेज हत्या, हत्या के प्रयास, उत्पाद अधिनियम तथा फरार वारंटियों से जुड़े मामलों में कुल 9 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध संबंधित थाना क्षेत्रों में अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सुगौली थाना पुलिस ने कांड संख्या-425/23 के डकैती मामले में एक प्राथमिकी अभियुक्त तथा कांड संख्या-121/22 एवं 134/22 (उत्पाद अधिनियम) के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में कुल तीन आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़े। वहीं हरसिद्धि थाना पुलिस ने कांड संख्या-381/26 में दर्ज दहेज हत्या मामले के एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

आदापुर थाना पुलिस ने कांड संख्या-01/25 (पुलिस पर हमला) के एक अभियुक्त तथा कांड संख्या-72/25 (उत्पाद अधिनियम) के एक अन्य अभियुक्त को गिरफ्तार किया। दोनों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

इधर लखौरा थाना पुलिस ने कांड संख्या-169/26 (हत्या के प्रयास) के दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा ट्रायल संख्या-1296/26 के एक फरार इश्तेहार वारंटी को भी दबोच लिया गया।

पुलिस ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। हत्या, डकैती, पुलिस पर हमला, दहेज हत्या, उत्पाद अधिनियम और अन्य गंभीर मामलों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

डीईओ कार्यालय बना भ्रष्टाचार की नई प्रयोगशाला?

शिक्षा पदाधिकारियों पर परीक्षा ड्यूटी में मनमानी और चहेतों को लाभ पहुंचाने के आरोप

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) राजन कुमार गिरी एक बार फिर विवादों में हैं। डीएलएड द्वितीय वर्ष की परीक्षा में प्रतिनियोजन को लेकर उन पर विभागीय नियमों की अनदेखी, मनमाने तरीके से शिक्षकों की तैनाती तथा अपने चहेते लोगों को लाभ पहुंचाने के गंभीर आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि स्थापना शाखा में किए गए हालिया बदलाव के बाद पूरे जिले में प्रतिनियोजन व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। मामले की शुरुआत 23 जुलाई 2026 को जारी दो अलग-अलग कार्यालय आदेश, ज्ञापांक-885 एवं 887, से हुई। आरोप है कि डीएलएड द्वितीय वर्ष की परीक्षा में विभागीय निर्देशों की अनदेखी करते हुए अनुमंडल से बाहर के शिक्षकों को जिला मुख्यालय स्थित परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त किया गया, जबकि विभागीय नियम इसकी अनुमति नहीं देते। शिकायत के अनुसार, मिस्कॉट स्थित मुजीब बालिका प्लस-2 विद्यालय के सभी शिक्षकों को हटाकर उनकी जगह अपने चहेते शिक्षकों की तैनाती कर दी गई। वहीं विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को पहले 23 एवं 24 जुलाई के लिए मंगल सेमिनरी प्लस-2 विद्यालय भेजा गया। बाद में ज्ञापांक-887 के माध्यम से संशोधित आदेश जारी कर प्रतिनियोजन की अवधि 29 जुलाई 2026 तक बढ़ा दी गई, जबकि डीएलएड परीक्षा 28 जुलाई को ही समाप्त हो रही है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि प्रतिनियोजन अवधि बढ़ाने के पीछे प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि कुछ चुनिंदा शिक्षकों को आगे होने वाली परीक्षाओं में भी ड्यूटी दिलाने की मंशा थी। आरोप यह भी है कि डीईओ राजन कुमार गिरी ने एक वरीय जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को हटाकर एक कनीय पदाधिकारी

को स्थापना शाखा जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप दी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस बदलाव के बाद स्थापना शाखा पर कुछ लोगों का प्रभाव बढ़ गया और प्रतिनियोजन प्रक्रिया में मनमानी शुरू हो गई। विश्वस्त सूत्रों के हवाले से यह भी आरोप लगाया गया है कि बीईओ राजन कुमार गिरी और मुजीब बालिका प्लस-2 विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राज कुमार चौधरी की मिलीभगत से लंबे समय से अपने चहेते शिक्षकों को विभिन्न परीक्षाओं में ड्यूटी दिलाने की व्यवस्था की जाती रही है। आरोप है कि इसी उद्देश्य से विद्यालय के नियमित शिक्षकों को दूसरी जगह भेज दिया जाता है ताकि उनकी जगह पसंदीदा लोगों को प्रतिनियुक्त किया जा सके और परीक्षा मे चहेते छात्रों को लाभ दी जा सके। शिकायतकर्ताओं का यह भी दावा है कि 29 जुलाई को प्रस्तावित सिपाही भर्ती परीक्षा को देखते हुए ही प्रतिनियोजन की अवधि बढ़ाई गई, ताकि पहले से लगाए गए चहेते शिक्षकों को उसी परीक्षा में भी ड्यूटी मिल सके। मामले का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जिला प्रशासन द्वारा एनआईसी के माध्यम से पहले ही 28 कर्मियों की प्रतिनियुक्ति मुजीब बालिका प्लस-2 विद्यालय के लिए की जा चुकी थी। इसके बावजूद हरसिद्धि, छौड़ादानो, सुगौली, रक्सौल, अरेराज, चकिया, बनकटवा, पताही और गोविंदगंज सहित विभिन्न प्रखंडों से लगभग 20 अतिरिक्त शिक्षकों को प्रतिनियुक्त किए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में यूएमएस बैरियाडीह, हरसिद्धि के शिक्षक बलिंद्र सिंह तथा जीपीएस पकड़िया उर्दू, छौड़ादानो के शिक्षक मो. जहरुद्दीन का भी नाम लिया गया है। आरोप है कि मो. जहरुद्दीन को विद्यालय अवधि के दौरान कई बार डीईओ कार्यालय के सीसीटीवी कैमरों में देखा गया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, उनके विरुद्ध जिलाधिकारी को भी लिखित शिकायत दी जा चुकी है, जिस पर अब तक कार्रवाई लंबित है। इसी मामले में मोतिहारी सदर के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अशरफ आलम से भी आरोपों को लेकर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया। पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे अवकाश पर हैं और इस विषय पर फिलहाल कुछ भी नहीं बोल सकते।

कारगिल विजय दिवस पर 71वीं वाहिनी एसएसबी में शहीदों को श्रद्धांजलि, स्कूली बच्चों ने जगाई देशभक्ति की अलख

बीएनएम@ मोतिहारी

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। माउंट लिटेरा जी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कार्यक्रम में देशप्रेम का संदेश दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के मार्गदर्शन एवं कमांडेंट (चिकित्सा) राजेश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। अपने संबोधन में कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने कारगिल युद्ध के इतिहास, उसकी रणनीतिक महत्ता तथा भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्रसेवा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कारगिल विजय दिवस के महत्व को समझते हुए वीर शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव योगदान देने का संकल्प लिया। इस मौके पर उप-कमांडेंट राकेश कुमार, सहायक कमांडेंट (संचार) दीपक कुमार, निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह, सहित 71वीं वाहिनी एसएसबी के अधिकारी और जवान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन अमर शहीदों को नमन और उनके त्याग व बलिदान को सदैव स्मरण रखने के संकल्प के साथ हुआ।

जिलाधिकारी बने निक्षय मित्र, पांच टीबी मरीजों को लिया गोद; 100 मरीजों को मिला पोषण फूड बास्केट

बीएनएम@ मोतिहारी

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सोमवार को सदर अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने 100 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण युक्त फूड बास्केट वितरित किया। अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी ने स्वयं पांच टीबी मरीजों को निक्षय मित्र के रूप में गोद लिया। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त एवं सिविल सर्जन ने भी पांच-पांच मरीजों को गोद लिया। वहीं अनुमंडल पदाधिकारियों ने तीन-तीन तथा जिला स्तरीय अधिकारियों ने दो-दो मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण सहायता उपलब्ध कराई। गोद लिए गए मरीजों को अगले छह माह तक प्रत्येक महीने फूड बास्केट उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य देश से तपेदिक का पूरी तरह उन्मूलन करना है। उन्होंने बताया कि निक्षय मित्र योजना के माध्यम से समाज के सक्षम और जागरूक लोग टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके पोषण एवं उपचार में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने आम लोगों से पूर्वी चंपारण को टीबी मुक्त बनाने के लिए निक्षय मित्र बनने की अपील की। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में टीबी मरीजों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक लगातार खांसी, सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, थूक में खून, वजन घटना, लगातार थकान, शाम के समय बुखार या रात में अधिक पसीना आने जैसे लक्षण हों तो तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल में निःशुल्क जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित और निर्धारित अवधि तक दवा लेने से टीबी पूरी तरह ठीक हो सकती है। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश सहित सदर अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

जल-जमाव पर निगम का बड़ा प्रहार: खराब स्ट्रीट लाइट एजेंसी पर होगी कार्रवाई, प्रमुख चौकों पर लगेंगी हाई मास्ट लाइटें - महापौर प्रीति कुमारी

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर की जल-निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने और प्रमुख चौक-चौराहों को अत्याधुनिक प्रकाश व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में नगर निगम बोर्ड ने महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी निर्णय लिए हैं। महापौर प्रीति कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित बोर्ड बैठक में वर्षा ऋतु के दौरान जल-जमाव की समस्या के स्थायी समाधान, स्वच्छता व्यवस्था की प्रभावी निगरानी तथा नागरिक सुविधाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर निगम क्षेत्र के सभी जल-जमाव प्रभावित इलाकों का सर्वेक्षण कर वार्डवार नालों की सूची तैयार की जाएगी। निर्धारित रोस्टर के अनुसार नियमित रूप से नालों की सफाई कराई जाएगी तथा प्रत्येक वार्ड में प्रतिदिन कम-से-कम चार सफाईकर्मी इस कार्य में लगाए जाएंगे। सफाई कार्य की निगरानी स्वच्छता निरीक्षक एवं संबंधित वार्ड जमादार करेंगे। कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी एजेंसी की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की समीक्षा के दौरान अनुरक्षण एजेंसी के कार्य पर बोर्ड ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा नहीं करने और लगातार लापरवाही बरतने के कारण एजेंसी का अनुबंध समाप्त करने पर गंभीरता से विचार किया गया। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगर निगम अपने स्तर पर स्ट्रीट लाइटों के अनुरक्षण एवं मरम्मत की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा, ताकि शहरवासियों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध हो सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि बुडको की प्रस्तावित योजना से वंचित रह गए प्रमुख चौक-चौराहों पर नगर निगम अपने संसाधनों से हाई मास्ट लाइटें स्थापित करेगा। प्राथमिकता वाले स्थानों में चैलाहा चौक, कमेटी चौक (ढाका रोड), बैरिया देवी मंदिर चौक, रघुनाथपुर चौक, सलाम नगर मोड़, मठिया जिरात मोड़, दुर्गा चौक (बरियारपुर), मोतिहारी प्रखंड कार्यालय, बालगंगा चौक एवं बसवरिया चौक सहित अन्य आवश्यक स्थल शामिल हैं। बोर्ड ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बैठक में लिए गए निर्णयों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही नियमित समीक्षा के माध्यम से नगरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाए।

हरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हत्या के प्रयास और दहेज हत्या मामले के दो नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले की हरपुर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास एवं दहेज हत्या के दो अलग-अलग मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार, हरपुर थाना कांड संख्या-91/26 में हत्या के प्रयास के मामले के प्राथमिक अभियुक्त हरिओम यादव, पिता प्रभु यादव, निवासी नायक टोला, थाना हरपुर, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। इसके अलावा हरपुर थाना कांड संख्या-90/26 में दर्ज दहेज हत्या के मामले के प्राथमिकी अभियुक्त बजरंगी ठाकुर, पिता ललन ठाकुर, निवासी बदवा मठ, थाना हरपुर, जिला पूर्वी चंपारण को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य बिंदुओं पर भी जांच जारी है। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हत्या, दहेज हत्या तथा अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए जिलेभर में विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की दिशा में पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तीन माह का माइक्रो प्लान बनाएं, मरीजों को मिले बेहतर इलाज : डीएम

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में ओपीडी, प्रसव, टीकाकरण, डेंगू और आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा, कमजोर प्रदर्शन वाले केंद्रों को सुधार के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए अगले तीन माह का माइक्रो प्लान तैयार कर लक्ष्य आधारित कार्य करने का निर्देश जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने दिया। मंगलवार को सदर अस्पताल स्थित आरोग्य भवन सह पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले किसी भी मरीज को इलाज में परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकार की ओर से आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, अब उनका बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक में ओपीडी, आईपीडी, एएनसी, संस्थागत प्रसव, मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण तथा आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को अगले तीन माह का माइक्रो प्लान तैयार कर निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया।स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल से जून के बीच जिले में 16.10 लाख से अधिक मरीजों का ओपीडी में पंजीकरण हुआ। मेहसी सीएचसी ने लक्ष्य का 115 प्रतिशत तथा रक्सौल ने 108 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की, जबकि सुगौली सीएचसी और रामगढ़वा पीएचसी का प्रदर्शन 50 प्रतिशत से भी कम रहा। इसी अवधि में 92,700 मरीजों का आईपीडी में पंजीकरण हुआ, जिसमें रामगढ़वा पीएचसी 130 प्रतिशत उपलब्धि के साथ पहले स्थान पर रहा।एएनसी की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पहली जांच से लेकर चौथी जांच तक गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया। समीक्षा में सामने आया कि पहली एएनसी की उपलब्धि 90 प्रतिशत रही, लेकिन चौथी एएनसी तक यह घटकर 63 प्रतिशत रह गई। वहीं संस्थागत प्रसव का प्रतिशत मात्र 29 रहा। इस पर उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को आशा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया। सी-सेक्शन प्रसव की समीक्षा में पाया गया कि अप्रैल से जून के बीच सदर अस्पताल में 333 ऑपरेशन हुए, जबकि चकिया में 18 और रक्सौल में 13 सी-सेक्शन किए गए। अन्य किसी भी सीएचसी या पीएचसी में यह सुविधा संचालित नहीं होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप सभी उपयुक्त केंद्रों पर यह सेवा शुरू करने का निर्देश दिया। डेंगू की समीक्षा में बताया गया कि इस वर्ष जिले में अब तक केवल चार मरीज मिले हैं। इनमें दो तुरकौलिया, एक केसरिया और एक चिरैया का है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन स्वास्थ्य केंद्रों में फॉगिंग मशीन उपलब्ध नहीं है, वहां तत्काल खरीद सुनिश्चित की जाए तथा नियमित अंतराल पर फॉगिंग कराई जाए।आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले में अब तक 14.81 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। अरेराज, रक्सौल और हरसिद्धि प्रखंड क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जबकि बंजरिया, सुगौली और कल्याणपुर का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा। जिलाधिकारी ने पात्र लाभुकों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचना चाहिए। बैठक में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ. एस.एन. सत्यार्थी, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, सदर अस्पताल के वरीय चिकित्सक, सभी पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

हत्या और रंगदारी के आरोपी कुख्यात अपराधी उज्जवल कुमार गिरफ्तार, स्नाइपर टाइप अवैध हथियार बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने हत्या, रंगदारी एवं अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित कुख्यात अपराधी उज्जवल कुमार को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। बंजरिया थाना पुलिस की कार्रवाई में आरोपी के कब्जे से स्नाइपर टाइप का अवैध हथियार भी बरामद किया गया है। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को बंजरिया थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हत्या, रंगदारी एवं अन्य गंभीर मामलों में वांछित अपराधी उज्जवल कुमार अपने घर पर अवैध हथियार के साथ मौजूद है। सूचना की सत्यता की पुष्टि होने के बाद पुलिस पदाधिकारियों के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से आरोपी के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने स्नाइपर टाइप का एक अवैध हथियार बरामद किया। मौके से पुलिस ने उज्जवल कुमार, पिता स्वर्गीय प्रमोद कुमार सिंह, निवासी लोहसहा बाबू टोला, थाना बंजरिया, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर इस अवैध हथियार का उपयोग हत्या, रंगदारी वसूली एवं अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने में करता था। इस संबंध में बंजरिया थाना कांड संख्या-458/26 दर्ज कर आगे की जांच एवं कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अभिलेख के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चकिया थाना कांड संख्या-301/2023 (आर्म्स एक्ट) तथा तुरकौलिया थाना कांड संख्या-1063/2023 (आर्म्स एक्ट) शामिल हैं। पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक कनेक्शन और उसके गिरोह से जुड़े सदस्यों की भी जांच कर रही है। पूर्वी चंपारण पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में संगठित अपराध, अवैध हथियार रखने वालों तथा रंगदारी और हत्या जैसी गंभीर वारदातों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कल्याणपुर पुलिस का बड़ा खुलासाः चोरी की बाइक काटकर पार्ट्स बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले की कल्याणपुर थाना पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिलों को काटकर उनके पुर्जे बेचने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर चोरी की एक मोटरसाइकिल समेत बड़ी मात्रा में उसके स्पेयर पार्ट्स बरामद किए हैं। मामले में फरार अन्य आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 28 जुलाई 2026 की शाम गश्ती एवं विशेष छापेमारी के दौरान सूचना मिली कि कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मननपुर गांव में चोरी की मोटरसाइकिलों को काटकर उनके विभिन्न पार्ट्स अलग-अलग कर बेचे जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। छापेमारी के दौरान बंका महतो, पिता बादलाल महतो, निवासी मननपुर, थाना कल्याणपुर, जिला पूर्वी चंपारण को चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से बड़ी संख्या में मोटरसाइकिलों के पुर्जे भी बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से एक चोरी की मोटरसाइकिल, 08 चेसिस, 02 इंजन, 10 पेट्रोल टंकी, 11 साइलेंसर, 04 शॉकर, 03 हाफ गार्ड, 23 अन्य शॉकर एवं स्पेयर पार्ट्स सहित कई अन्य मोटरसाइकिल के पुर्जे बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का मानना है कि पूछताछ से चोरी की मोटरसाइकिलों के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिल सकती है। गिरोह के फरार सदस्यों की गिरफ्तारी और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने के लिए पुलिस की छापेमारी लगातार जारी है।

सुपौल के स्कूल में शिक्षकों के आराम फरमाने का वीडियो वायरल, जांच के आदेश

बीएनएम@ सुपौल। बिहार के सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज प्रखंड स्थित खोरिया प्राथमिक विद्यालय का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दो शिक्षक कक्षा के दौरान डेस्क-बेंच पर आराम करते दिखाई दे रहे हैं। इस घटना के सामने आने के बाद शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। शिक्षा विभाग ने मामले की जांच कराने की बात कही है। वायरल वीडियो में विद्यालय के दो शिक्षक उन डेस्क-बेंच पर लेटे हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनका उपयोग छात्र-छात्राएं पढ़ाई के लिए करते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पढ़ाई के समय शिक्षक आराम कर रहे थे, जिसके कारण कई बच्चे अपना बस्ता लेकर घर लौट गए। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और इसकी सच्चाई जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। बताया जा रहा है कि संबंधित विद्यालय में लगभग 140 छात्रों का नामांकन है, जबकि प्रतिदिन करीब 100 बच्चे विद्यालय आते हैं। यहां प्रधानाध्यापक सहित कुल सात शिक्षक पदस्थापित हैं। ऐसे में वायरल वीडियो के बाद विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में बीईओ सह बीपीआरओ मनीष कुमार ने कहा कि विभाग को वायरल वीडियो की जानकारी मिल गई है। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में संबंधित शिक्षक नियमों के उल्लंघन के दोषी पाए जाते हैं तो विभागीय प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल शिक्षा विभाग जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है।

31 जुलाई तक सदस्यता नवीनीकरण नहीं कराने वालों की सदस्यता होगी समाप्त : महेश सिन्हा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी बैठक में कई अहम फैसले, सितंबर में पुलिस-व्यवसायी संवाद कराने का प्रस्ताव

मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स की 27वीं कार्यकारिणी की सातवीं बैठक कार्यकारिणी सदस्य चंदू मिश्रा के बेलबनवा स्थित आवास पर अध्यक्ष महेश सिन्हा की अध्यक्षता में हुई। उक्त बैठक में सदस्यता नवीनीकरण, आगामी कार्यक्रमों और व्यापारिक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत महासचिव आलोक कुमार ने पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि और चैंबर की हालिया गतिविधियों की जानकारी देकर की। इसके बाद कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। अध्यक्ष महेश सिन्हा ने कहा कि चैंबर व्यवसायियों के हितों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा सक्रिय रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापारिक समस्याओं के समाधान के लिए संगठन पूरे वर्ष प्रभावी भूमिका निभाता रहेगा। बैठक में पूर्व अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल, श्याम कुमार और मनीष राज विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। सदस्यों ने उनका स्वागत किया। 19 जुलाई 2026 को आयोजित अर्द्धवार्षिक आम सभा सह वरिष्ठ व्यवसायी सम्मान समारोह की समीक्षा की गई। कार्यक्रम संयोजक की रिपोर्ट पर सदस्यों ने संतोष जताते हुए आयोजन समिति की सराहना की। सदस्यता नवीनीकरण पर निर्णय लिया गया कि 31 जुलाई तक नवीनीकरण नहीं कराने वाले सदस्यों की सदस्यता स्वतः समाप्त मानी जाएगी। सितंबर में प्रस्तावित पुलिस-प्रशासन एवं व्यवसायी संवाद कार्यक्रम के आयोजन पर भी चर्चा हुई। इसे 6 या 13 सितंबर को आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए छह सदस्यीय समिति का गठन किया गया। समिति के संयोजक निर्वर्तमान अध्यक्ष अंगद सिंह बनाए गए हैं। अध्यक्ष महेश सिन्हा, महासचिव आलोक कुमार, उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, सुधांशु रंजन और चंदू मिश्रा समिति के सदस्य होंगे। बैठक में संयोजक मनीष कुमार, पूर्व अध्यक्ष रविकृष्ण लोहिया, संजय जायसवाल, अनुपम जायसवाल, सुधीर अग्रवाल, सुरेश चंद्र, हेमंत कुमार, अनिल अग्रवाल, अरविंद सर्राफ, सुनील कुमार श्रीवास्तव, मेहुल लाल समेत बड़ी संख्या में कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।अंत में निर्वर्तमान अध्यक्ष अंगद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ। महासचिव सह मीडिया प्रभारी आलोक कुमार ने इसकी जानकारी दी।

दहेज हत्या मामले में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, अग्रिम कार्रवाई जारी

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने दहेज हत्या के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या-381/26, दिनांक 25 जुलाई 2026, में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 80(2) एवं 3(5) के तहत दर्ज मामले के प्राथमिकी अभियुक्त रणधीर कुमार, पिता रामबाबू यादव, निवासी ग्राम मुरारपुर बघवत, वार्ड संख्या-10, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस का कहना है कि गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा, "दहेज हत्या जैसे गंभीर मामलों में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इस मामले के नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा उसके विरुद्ध अग्रिम कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।"

पहाड़पुर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः सुगौली से चोरी बाइक बरामद, सरिया अहीर टोली का युवक गिरफ्तार

बीएनएम@ अरेराज

पहाड़पुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह सफलता पहाड़पुर थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में चलाए गए छापेमारी अभियान के दौरान मिली। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सरिया अहीर टोली निवासी धनी लाल यादव के पुत्र राजू कुमार के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सरिया अहीर टोली स्थित राजू कुमार अपने घर पर चोरी की मोटरसाइकिल रखे हुए है। सूचना के सत्यापन के उपरांत पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए चिन्हित ठिकाने पर छापेमारी की, जहां से एक संदिग्ध मोटरसाइकिल बरामद हुई। बरामद वाहन की प्रामाणिकता जांचने के लिए जब पुलिस ने एचएचडी (HHD) मशीन से उसका सत्यापन किया, तो चेचिस नंबर और रजिस्ट्रेशन नंबर में अंतर पाया गया। गहन जांच के दौरान स्पष्ट हुआ कि उक्त मोटरसाइकिल के संबंध में पूर्व से सुगौली थाना में कांड संख्या-501/24 दर्ज है। मामले का खुलासा होते ही पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल को जब्त करते हुए आरोपी राजू कुमार को मौके से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पलनवा थाने की छत से गिरकर सरकारी चालक की संदिग्ध मौत, फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा/पलनवा। पलनवा थाना परिसर में मंगलवार देर रात एक सरकारी चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरकर मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र निवासी राजकुमार शर्मा के रूप में हुई है, जो पिछले कई वर्षों से पलनवा थाना में सरकारी वाहन चालक के रूप में कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब 11 बजे राजकुमार शर्मा ड्यूटी के दौरान थाना परिसर में मौजूद थे। इसी बीच उनके थाना भवन की छत से गिरने की सूचना मिली। पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही रक्सौल डीएसपी मनीष आनंद, सर्किल इंस्पेक्टर अनुज कुमार पांडे, रामगढ़वा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर तथा पलनवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने थाना कर्मियों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मोतिहारी से विशेष जांच टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों को बुलाया गया। टीम ने थाना भवन की छत, सीढ़ियों और आसपास के क्षेत्र का गहन निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मामला दुर्घटना का है, आत्महत्या का या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। रक्सौल डीएसपी मनीष आनंद ने बताया कि "पुलिस दुर्घटना, आत्महत्या और अन्य सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।" पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना में मौजूद पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। घटना के बाद थाना परिसर में शोक और तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच में जुटी हुई है।

बेगूसराय बालिका गृह से लापता बच्चियों के मामले में राजद ने सरकार से मांगा जवाब

बीएनएम@ बेगूसराय

बेगूसराय के रतनपुर स्थित बालिका गृह से पांच नाबालिग बच्चियों के लापता होने का मामला अब राजनीतिक रंग पकड़ता जा रहा है। घटना के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने राज्य सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। राजद नेता शक्ति सिंह यादव ने इसे सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर चूक बताते हुए सभी बच्चियों की जल्द और सुरक्षित बरामदगी तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शक्ति सिंह यादव ने कहा कि सरकारी संरक्षण में संचालित किसी बालिका गृह से नाबालिग बच्चियों का लापता होना बेहद गंभीर मामला है। उनके अनुसार, यदि ऐसे संस्थानों में रहने वाली बच्चियां भी सुरक्षित नहीं हैं, तो इससे कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। राजद नेता का दावा है कि घटना सामने आने के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस सभी बच्चियों का पता लगाने में सफल नहीं हो सकी है।उन्होंने बालिका गृहों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे और निगरानी की व्यवस्था मौजूद है, तो फिर इस तरह की घटनाएं कैसे हो रही हैं। उनके अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसका प्रभाव धरातल पर भी दिखाई देना चाहिए।शक्ति सिंह यादव ने सरकार से मांग की कि पुलिस सभी पांचों बच्चियों की जल्द से जल्द सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करे।

सियार के हमले का एक और शिकारः जिहुली के सम्मानित शिक्षक गनी शाह का निधन, गांव में मातम और दहशत

बीएनएम@ पताही

पताही सीएचसी में एंटी रैबीज वैक्सीन नहीं, ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

प्रखंड क्षेत्र में कुछ दिनों पूर्व सियार के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए जिहुली गांव निवासी एवं सम्मानित शिक्षक गनी शाह का इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके आवास पर अंतिम दर्शन के लिए पहुंचने लगे। गनी शाह का निधन जिहुली गांव के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, बीते दिनों जिहुली गांव में एक ही दिन सियार ने कई लोगों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस हमले में गनी शाह के साथ उनकी पत्नी और बेटा भी गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। पत्नी और बेटे का इलाज अभी भी जारी है, जबकि गनी शाह जिंदगी की जंग हार गए। ग्रामीणों के अनुसार गनी शाह पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से गांव के बच्चों को शिक्षा देकर समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे थे। उनके निधन से गांव ने एक ऐसे शिक्षक और समाजसेवी को खो दिया है, जिसकी भरपाई कर पाना आसान नहीं होगा। इस पूरी घटना के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज वैक्सीन (ARV) उपलब्ध नहीं है, जबकि क्षेत्र में सियार के हमले की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में पीड़ितों और उनके परिजनों को समय पर आवश्यक वैक्सीन नहीं मिल पा रही है। इस संबंध में पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. सुधांशु रंजन ने बताया कि "फिलहाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज वैक्सीन उपलब्ध नहीं है।" एक ओर सियार के हमलों से लोग भय के साये में जी रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी अस्पताल में एंटी रैबीज वैक्सीन का उपलब्ध नहीं होना ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से तत्काल पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज वैक्सीन उपलब्ध कराने तथा सियार के आतंक से लोगों को राहत दिलाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

बंद मिला कोदरिया हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

बीएनएम@ श्रीनिवास कुमार

पताही। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से स्थापित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत संचालित कोदरिया हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर मंगलवार सुबह निर्धारित समय के बाद भी बंद मिला, जिससे इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को बिना उपचार लौटना पड़ा। ग्रामीणों की लगातार शिकायत थी कि केंद्र पर तैनात स्वास्थ्यकर्मी समय पर नहीं पहुंचते और नियमित रूप से लापरवाही बरतते हैं। शिकायतों की पड़ताल करने के लिए मंगलवार सुबह करीब 9:40 बजे जब मीडिया टीम केंद्र पहुंची तो वहां ताला लटका मिला। न कोई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद था और न ही मरीजों के उपचार की कोई व्यवस्था थी। केंद्र बंद रहने से इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे कई ग्रामीण मायूस होकर लौट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन कर्मियों की लापरवाही के कारण योजनाओं का लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि केंद्र पर कार्यरत कर्मचारियों के आने-जाने का कोई निश्चित समय नहीं है, जिसका सबसे अधिक असर गरीब, बुजुर्ग, महिलाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल तेज हो गई। पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. सुधांशु रंजन ने बताया कि कोदरिया हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर तीन कर्मचारी पदस्थापित हैं। केंद्र बंद मिलने की सूचना मिली है। तीनों कर्मियों की उपस्थिति अनुपस्थित दर्ज की जाएगी तथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या विभाग की कार्रवाई केवल अनुपस्थिति दर्ज करने तक सीमित रहेगी या फिर ग्रामीणों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस और स्थायी कदम भी उठाए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने केंद्र की नियमित मॉनिटरिंग, समयबद्ध संचालन और जिम्मेदार कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ वास्तव में गांव के लोगों तक पहुंच सके।

बहस से ज्यादा अपेक्षा टकराव

विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का आज क्या औचित्य रह गया है? अगर ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े और संसद के बीच क्या फर्क रह जाएगा? मानसून सत्र की शुरुआत के साथ संसद का नज़ारा कुछ बदला नजर आएगा। यह संभवतः पहला मौका है, जब बिना चुनाव हुए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के संख्या बल में गुणात्मक बदलाव हुआ दिखेगा। बजट सत्र के बाद तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) बड़ी टूट-फूट हो चुकी है, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) के रुख में बदलाव के संकेत मिले हैं। इससे बिना नया जनादेश आए ही सत्ताधारी एनडीए मजबूत हो गया है। इस हद तक कि अभी दो महीने पहले लोकसभा सीटों के परिसीमन के मकसद से लाया गया जो विधेयक गिर गया था, सत्ता पक्ष उसे फिर से लाने की तैयारी में दिखा है। इसी तरह विवादास्पद विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 और गिरफ्तारी होने पर 30 दिन के अंदर मुख्यमंत्री/ मंत्री पद खत्म करने का प्रावधान करने वाले विधेयक को भी लाने की चर्चा थी (जिसका इरादा शायद टाल दिया है)। पिछले सत्र तक इन विधेयकों के पारित होने की संभावना बेहद कमजोर थी। अभी भी इनके लिए सरकार संख्या बल का पूरा इंतजाम नहीं कर पाई है, लेकिन कुछ और जोड़-तोड़ में कामयाब रही, तो इनके पारित होने की संभावना बन सकती है। मगर यही समस्या है। वह संभावना 2024 में आए जनादेश की भावना के विपरीत होगी। मुद्दा है कि दांव-पेच से जनादेश की भावना को इस तरह धता बताने का चलन आम हो जाता है, तो फिर विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का क्या औचित्य रह जाएगा? ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े में होने वाली जोर-आजमाईश और संसदीय प्रक्रियाओं के बीच क्या फर्क रहेगा? क्या उसके बाद भी संसद को बहस के जरिए अधिकतम संभव सहमति निर्माण का मंच माना जा सकेगा? दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इन प्रश्नों के उत्तर लगातार नकारात्मक होते गए हैं। संसद शोर, हंगामे, वॉकआउट, बहिष्कार, और कई बार तो शारीरिक बल के जरिए झड़पों का स्थल बनती चली गई है। नतीजतन, अधिवेशनों से पहले गंभीर बहस से ज्यादा अपेक्षा टकराव और तू तू-मैं- मैं की रहने लगी है। मानसून सत्र के पहले भी राजनीतिक क्षितिज पर यही माहौल हावी नजर आया है।

जब गुरु केवल व्यक्ति नहीं, परंपरा बन जाता है

कुमार कृष्णन

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

भारतीय सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति उसके विशाल ग्रंथ-साहित्य में नहीं, बल्कि उस जीवित गुरु-परंपरा में निहित है जिसने ज्ञान को केवल पुस्तकों में सुरक्षित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन, साधना और संस्कार के रूप में एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रवाहित किया। भारत में शिक्षा का उद्देश्य कभी मात्र सूचना अर्जित करना नहीं रहा; उसका लक्ष्य मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा, आत्मानुशासन और आत्मबोध का विकास रहा है। इसलिए यहां गुरु केवल शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा है—वह जो शिष्य को दुनिया से पहले स्वयं से परिचित कराता है। आषाढ़ पूर्णिमा का दिन इसी शाश्वत परंपरा को प्रणाम करने का पर्व है। इसे महर्षिवेदव्यास की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने वेदों का विभाजन, महाभारत की रचना और पुराणों के संपादन के माध्यम से भारतीय ज्ञान-संस्कृति को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। भारतीय परंपरा उन्हें केवल महाकवि नहीं, बल्कि जगद्गुरु के रूप में स्मरण करती है। गुरु पूर्णिमा वस्तुतः उस ऋण की स्वीकृति है, जिससे कोई भी सभ्यता कभी उऋण नहीं हो सकती।

मुण्डक उपनिषद का प्रसिद्ध वचन है-

तद्विज्ञानार्थं स गुरुमेवाभिगच्छेत्
समित्पाणिः श्रोत्रियं ब्रह्मनिष्ठम्॥

अर्थात् परम सत्य के ज्ञान के लिए ऐसे गुरु के पास जाना चाहिए जो शास्त्र का ज्ञाता होने के साथ-साथ आत्मानुभूति से भी संपन्न हो। यही भारतीय शिक्षा-दर्शन का मूल है—ज्ञान केवल पढ़ने से नहीं, जीने से प्राप्त होता है। कबीर ने इसी सत्य को सहज शब्दों में व्यक्त किया—

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥ आज जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने सूचना को सर्वसुलभ बना दिया है, तब भी गुरु की आवश्यकता समाप्त नहीं हुई। मशीनें जानकारी दे सकती हैं, लेकिन विवेक नहीं; वे उत्तर दे सकती हैं, पर जीवन का अर्थ नहीं समझा सकतीं। आधुनिक सभ्यता का सबसे बड़ा संकट ज्ञान का नहीं, दिशा का संकट है। ऐसे समय में भारतीय गुरु-परंपरा केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि मानवीय संतुलन की आवश्यकता बनकर सामने आती है। इसी परंपरा को आधुनिक युग में नया आयाम देने वाले महापुरुषों में स्वामी शिवानंद सरस्वती का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। चिकित्सक कुप्पुस्वामी से स्वामी शिवानंद बनने की उनकी यात्रा केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक परिवर्तन की कथा नहीं, बल्कि सेवा और साधना के अद्भुत समन्वय की कहानी है। मलाया (वर्तमान मलेशिया) में चिकित्सा सेवा के दौरान उन्होंने अनुभव किया कि मनुष्य का सबसे बड़ा रोग केवल शरीर का नहीं, बल्कि मन और आत्मा का भी है। यही अनुभव उन्हें हिमालय ले गया। ऋषिकेश में संन्यास ग्रहण करने के बाद उन्होंने दिव्य जीवन संघ की स्थापना की और योग को आश्रमों की सीमाओं से निकालकर लोकमंगल से जोड़ा। सर्व, लव, गिव, प्यूरीफाई, मेडिटेट, रियलाइज सेवा करो, प्रेम करो, दान दो, आत्मशुद्धि करो, ध्यान करो ओर आत्मबोध प्राप्त करो। उनका प्रसिद्ध सूत्र—सेवा करो, प्रेम करो, दान दो, आत्मशुद्धि करो, ध्यान करो और आत्मबोध प्राप्त करो—आज भी आध्यात्मिक जीवन का व्यावहारिक घोषणापत्र माना जाता है। सेवा से अहंकार का क्षय होता है, प्रेम से मन निर्मल होता है, दान से आसक्ति टूटती है, आत्मशुद्धि से चित्त पवित्र होता है और ध्यान मनुष्य को आत्मबोध की ओर ले जाता है। स्वामी शिवानंद ने योग को किसी संप्रदाय या जाति की सीमा में नहीं बांधा। उन्होंने सैकड़ों ग्रंथ लिखे, हजारों साधकों को प्रशिक्षित किया और विश्व को यह बताया कि भारतीय अध्यात्म रहस्यवाद नहीं, बल्कि जीवन जीने का व्यावहारिक विज्ञान है। गीता का वाक्य—योगः कर्मसु कौशलम्—उनके जीवन में साकार दिखाई देता है। यहीं से गुरु-परंपरा का दूसरा महत्वपूर्ण अध्याय प्रारंभ होता है—स्वामी सत्यानंद सरस्वती का। भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां शिष्य गुरु की प्रतिलिपि नहीं बनता; वह गुरु के मूल तत्व को अपने समय की आवश्यकताओं के अनुरूप नई अभिव्यक्ति देता है। स्वामी सत्यानंद इसी परंपरा के विलक्षण संवाहक थे। बारह वर्षों तक स्वामी शिवानंद के सान्निध्य में रहकर उन्होंने केवल योग की तकनीक नहीं सीखी, बल्कि सेवा, अनुशासन और आत्मपरिवर्तन की साधना को आत्मसात किया। बाद में वे कहा करते थे कि गुरु ने उन्हें कोई विचारधारा नहीं दी, बल्कि जीवन को देखने की नई दृष्टि दी। सन् 1963 में मुंगेर की धरती पर स्थापित बिहार योग विद्यालय आधुनिक भारत में योग-जागरण का एक ऐतिहासिक अध्याय सिद्ध हुआ। यह केवल एक आश्रम नहीं था, बल्कि ऐसा वैश्विक अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र बना, जहाँ योग को शरीर, मन, भावनाओं और चेतना के समन्वित विकास की वैज्ञानिक प्रक्रिया के रूप में विकसित किया गया। उनके द्वारा विकसित योगनिद्रा आज विश्वभर में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव-प्रबंधन और मनोचिकित्सा के क्षेत्र में व्यापक रूप से स्वीकार की जा रही है। तंत्रिका-विज्ञान भी अब उन अनेक निष्कर्षों की पुष्टि कर रहा है, जिनकी ओर स्वामी सत्यानंद ने दशकों पहले संकेत किया था। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय योग-दर्शन आधुनिक विज्ञान का प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उसका पूरक है। स्वामी सत्यानंद ने योग को दैनिक जीवन से जोड़ा। उनके लिए योग का अर्थ केवल आसन या प्राणायाम नहीं, बल्कि सजगता, संतुलन और आत्मानुशासन था। वे कहते थे कि मनुष्य का सबसे बड़ा संघर्ष बाहर नहीं, अपने भीतर होता है। जो अपने मन, भय और इच्छाओं को समझ लेता है, वही वास्तविक योगी है। उनकी विकसित योग निद्रा पद्धति आज मानसिक स्वास्थ्य, तनाव-प्रबंधन और मनोचिकित्सा के क्षेत्र में विश्वभर में स्वीकार की जा रही है। पवनमुक्तासन श्रृंखला, क्रियायोग और समन्वित योग की उनकी अवधारणाओं ने यह सिद्ध किया कि भारतीय ऋषियों का अनुभव आधुनिक विज्ञान का विरोध नहीं, बल्कि उसका पूरक है। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका चिंतन अत्यंत दूरदर्शी था। उनका मानना था कि यदि शिक्षा केवल बुद्धि का विकास करे और चरित्र, संवेदना तथा आत्मसंयम की उपेक्षा करे, तो वह अधूरी है। आज जब नई शिक्षा नीति समग्र विकास और जीवन-कौशल पर बल देती है, तब स्वामी सत्यानंद की दृष्टि और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती है। उन्होंने योग को कभी धर्म-प्रचार का माध्यम नहीं बनाया। उनके लिए योग संपूर्ण मानवता की साझा विरासत था। यही कारण है कि मुंगेर विश्व के योग मानचित्र पर एक विशिष्ट केंद्र बन गया, जहां विभिन्न देशों के साधक समान भाव से अध्ययन और साधना के लिए आते रहे। इस गुरु-परंपरा को इक्कीसवीं सदी में आगे बढ़ाने का कार्य स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने किया। उन्होंने योग को व्यक्ति की निजी साधना से आगे बढ़ाकर परिवार, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ा। उनके अनुसार योग का उद्देश्य केवल स्वस्थ शरीर नहीं, बल्कि संतुलित, संवेदनशील और उत्तरदायी मनुष्य का निर्माण है। आज संसाधन बढ़े हैं, लेकिन संयम घटा है; संपर्क बढ़े हैं, पर संबंध कमजोर हुए हैं। सूचना का विस्फोट हुआ है, पर आत्मबोध का संकट गहरा हुआ है। ऐसे समय में स्वामी निरंजनानंद का यह आग्रह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि योग का अंतिम लक्ष्य शरीर की दक्षता नहीं, बल्कि चेतना का परिष्कार है। भारतीय गुरु-परंपरा की एक और विशेषता है—यह अंधानुकरण की नहीं, विवेक की परंपरा है। भगवद्गीता में अर्जुन बार-बार प्रश्न करते हैं और श्रीकृष्ण अंत में कहते हैं—विमृश्यैतदशेषेण यथेच्छसि तथा कुरु। अर्थात् सब पर विचार कर, फिर अपनी बुद्धि से निर्णय लो। यही भारतीय गुरु-परंपरा की लोकतांत्रिक आत्मा है। यहां गुरु अनुयायी नहीं, व्यक्तित्व तैयार करता है। आज गुरु पूर्णिमा केवल धार्मिक अनुष्ठान का पर्व नहीं रह सकता। इसकी वास्तविक सार्थकता तब है, जब हम अपने जीवन में सत्य, सेवा, संयम, करुणा, आत्मानुशासन और लोकमंगल जैसे मूल्यों को स्थान दें। स्वामी शिवानंद की सेवा-दृष्टि, स्वामी सत्यानंद की वैज्ञानिक योग-दृष्टि और स्वामी निरंजनानंद की मानवीय दृष्टि मिलकर भारतीय अध्यात्म की ऐसी त्रयी का निर्माण करती है, जो आधुनिक भारत की नैतिक और सांस्कृतिक पूंजी है। दरअसल, किसी भी सभ्यता का भविष्य केवल उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि उसके मनुष्य की आंतरिक गुणवत्ता से तय होता है। भारतीय गुरु-परंपरा सदियों से इसी आंतरिक विकास की साधना करती आई है। गुरु पूर्णिमा हमें स्मरण कराती है कि मनुष्य की सबसे बड़ी यात्रा बाहर नहीं, भीतर होती है; सबसे बड़ी विजय दूसरों पर नहीं, स्वयं पर होती है। इसीलिए भारतीय संस्कृति ने गुरु को देवत्व से भी ऊपर अनुभव का स्थान दिया है। गुरु हमें ईश्वर नहीं देता, बल्कि उस चेतना तक पहुंचाता है जहां हम अपने भीतर विद्यमान दिव्यता का साक्षात्कार कर सकें।

सो, जैसा राजा मिला है उसे स्वीकार करें

हरिशंकर व्यास

जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से उन्होंने स्वंय, उनकी पार्टी के नेताओं और संघ के पदाधिकारियों ने सैकड़ों बार जनता को उसके कर्तव्यों की याद दिलाई है। बार बार कहा है कि नागरिकों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। यह भी कहा गया कि देश में लोग अधिकार की बात तो करते हैं लेकिन कर्तव्य की बात नहीं करते हैं। दावा किया गया कि अगर नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक ढंग से करेंगे तभी भारत विकास करेगा। अच्छी बात है कि नागरिकों को अपने कर्तव्य निभाने चाहिए। उसे समय पर टैक्स भरना चाहिए। उसे अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए। उसे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले काम नहीं करने चाहिए। उसे ईमानदार होना चाहिए। आदि आदि।

सवाल है सरकार का क्या दायित्व है? नागरिक क्यों सरकार चुनते हैं? इसलिए क्योंकि जो काम वे खुद नहीं कर सकते हैं उन कार्यों को जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करने के लिए सरकार चुनी जाती है। लोग अपने अधिकार का समर्पण करते हैं और अपनी कमाई के पैसे सरकार चलाने के लिए देते हैं। लेकिन बदले में उन्हें क्या मिलता है? नेताओं का भाषण! सरकार उलटे नागरिकों से ही उम्मीद लगाए बैठी हैं कि वे सब काम करेंगे और सरकार में बैठे हुए लोग राज करेंगे।

अब भारत में किसी चीज के लिए सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। सरकार का काम सिर्फ इतना दिख रहा है कि वह लोगों से टैक्स वसूले और सरकार में शामिल लोगों के वेतन, भत्ते, पेंशन आदि की व्यवस्था करे। सरकार चलाने में होने वाली हर गड़बड़ी को इस तर्क से ढका जाता है कि इतना बड़ा देश है, इतनी बड़ी व्यवस्था है, इतनी आबादी है तो थोड़ी बहुत गड़बड़ तो होगी ही। सोचें, इस तर्क पर। यह कितना अवैज्ञानिक और सुविधाजनक तर्क है। क्या व्यवस्था इस तरह से काम करती है? अगर किसी काम के लिए कोई नियम बना है, कोई व्यवस्था बनी है तो वह ठीक तरीके से काम करनी चाहिए और अगर काम ठीक से नहीं हो रहा है तो उसे करने वाले लोगों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। लेकिन इतने बड़े देश का तर्क दिया जाता है इसका मतलब ही है कि सब कुछ संयोगों के सहारे चल रहा है। इतना बड़ा देश कोई आदमी कैसे चला सकता है। मतलब भगवान ही इस देश को चला रहे हैं। तब भगवान को कोई कैसे जिम्मेदार ठहरा सकता है? हां, भारत अब राज्य की उत्पत्ति के दैवीय सिद्धांत के आधार पर संचालित हो रहा है। राज्य की उत्पत्ति का दैवी सिद्धांत कहता है कि राजा अगर अच्छा है तो इसका मतलब है कि ईश्वर प्रजा से खुश हैं और उन्होंने अच्छा राजा दिया है। राजा अगर बुरा है तो इसका मतलब है कि ईश्वर प्रजा को दंड देना चाहते हैं इसलिए उन्होंने बुरा राजा दिया। सो, जैसा राजा मिला है उसे ईश्वर की मर्जी मान कर स्वीकार करें।

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है। डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है। भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं। समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए नई ताजगी से भरा रहने वाला है। आज आपके साकारात्मक व्यक्तित्व से लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज आप किसी सामाजिक समारोह में हिस्सा लेंगे जहाँ आपकी मुलाकात किसी बड़े राजनीतिक पद वाले व्यक्ति से होगी साथ ही नए संपर्क बनेगे। घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से चहल पहल बनी रहेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज अपनी खास बात किसी से शेयर ना करें। आज माता जी की सलाह से लिया गया निर्णय भविष्य में लाभदायक साबित होगा।आज रोजमर्रा के काम से दूर कहीं प्रकृति की खूबसूरत वादियों में समय बिताएंगे। आज धार्मिक कार्यों में आपका रुझान बढ़ेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके जीवन में नए परिवर्तन लेकर आने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और रहन-सहन के प्रति आपका अधिक सजग रहना लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा। आज रुके हुए किसी काम को पूरा करने के लिए उचित समय है। वो पैसा जो उधार देकर वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके थे आज आपको वापस मिल सकता है।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपने अपनी दिनचर्या और काम करने के तरीके में बदलाव लाने के लिए जो योजनाएं बनाई हैं, आज उन पर अमल करने का उचित समय है। आज स्टेशनरी या खिलौने से जुड़े बिजनेस में निवेश करने के लिए अच्छा समय है साथ ही यह समय रुकी हुई पेमेंट को कलेक्ट करने तथा आर्थिक स्थितियों को मजबूत करने के लिए उत्तम है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए नई उमंगों से भरा रहने वाला है। किसी नए काम की शुरुआत से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी अवश्य करें। आज आप अपनी कार्य योजनाओं को किसी के साथ भी शेयर ना करें। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है, किसी टॉपिक को समझने में आ रही समस्या समाप्त हो जायेगी उन्हे कुछ नया सीखने को मिलेगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आस- पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। बिजनेस में आपको मेहनत के बहुत अच्छे नतीजे हासिल होंगे। किसी भी योजना को क्रियान्वित करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह जरूर ले। आज आपको अपने गुस्से पर कण्ट्रोल रखना होगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि घर या प्रॉपर्टी से जुड़ी योजना बन रही है, तो आज उसके पूरा होने का समय आ गया है। आज का समय आपके लिए उपलब्धियों वाला है। आज जीवनसाथी की सफलता से आपको गर्व होगा। महिलायें आज लघु उद्योग लगाने की योजना बनायेंगी जो निकट भविष्य में काफी फायदेमंद साबित होगी। बिजनेस के कामों में आज सुधार होगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है।आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आप नए कामों की योजनाएं बनाएंगे और उसे आगे बढ़ाने के लिए मित्रों का सहयोग भी मिलेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी करीबी की सलाह मिलने से आपका हौसला बढेगा और आप काम को बढ़िया तरीके से करेंगे। आज पारिवारिक फरमाइशों को पूरा करने में में अधिक बीतेगा। काफी पहले लोन के लिये किया गया आवेदन की स्वीकृति का शुभसमाचार मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप मार्केटिंग और मीडिया से जुड़े कामों पर अधिक ध्यान देंगे कुछ नई योजनाएं भी बनाएंगे। आज आपकी इनकम अच्छी रहेगी। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे और सबके साथ आप अलग-अलग पकवानों का आनंद उठायेंगे।

कुम्भ राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको ख़ुशी होगी। आज आप घर के कामों में माँ की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप उनसे बातचीत करेंगे। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ सामान्य रहेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव लाने से आने वाले दिनों मे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। मित्रों के साथ बिताए हुए समय को सोचकर सुकून मिलेगा। आज आपको संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, सारांश जैन को पहली बार मौका, रवींद्र जडेजा की वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे बड़ा आकर्षण मध्य प्रदेश के अनुभवी ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन का पहली बार टेस्ट टीम में चयन है। 33 वर्षीय सारांश को वॉशिंगटन सुंदर के हैमस्ट्रिंग चोटिल होने के बाद मौका मिला है। घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के लिए आराम दिया गया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन दोनों का चयन बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस मंजूरी मिलने पर ही प्रभावी होगा। दूसरी ओर, चोट के कारण पुनर्वास कर रहे नितीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह नहीं मिली है। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 अगस्त से एसएससी, कोलंबो में होगा। भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका का दौरा किया था, जहां उसने मेजबान टीम का 3-0 से सफाया किया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल और सारांश जैन। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन का चयन फिटनेस मंजूरी के अधीन है।

एक टीम, एक जज़्बाः भारतीय खिलाड़ियों की हर जीत बन रही पूरे दल की प्रेरणा

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन केवल पदक तालिका तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे भारतीय दल के आत्मविश्वास और मनोबल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। किसी एक खिलाड़ी की सफलता दूसरे खिलाड़ी के लिए प्रेरणा बन रही है और यही भावना टीम इंडिया को एकजुट रखे हुए है। भारतीय अभियान की शुरुआत पैरा पावर लिफ्टिंग में पदक से हुई, जिसके बाद भारोत्तोलन में शानदार प्रदर्शन, पैरा शॉटपुट में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक तथा एथलेटिक्स में रजत पदक ने

टीम इंडिया के अभियान को नई गति दी। इन उपलब्धियों ने पूरे भारतीय दल के भीतर यह विश्वास मजबूत किया है कि सामूहिक प्रयास से बड़ी सफलताएं हासिल की जा सकती हैं। ओलंपिक चैंपियन मीराबाई चानू ने एक बार फिर भारोत्तोलन में भारत का नेतृत्व किया, जबकि ज्ञानेश्वरी देवी, बिंदिया रानी देवी और उनके साथियों ने राष्ट्रमंडल में भारत की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया। इन खिलाड़ियों की सफलता ने केवल पदकों की संख्या नहीं बढ़ाई बल्कि पूरे भारतीय दल के आत्मविश्वास को भी नई ऊर्जा दी। एथलेटिक्स में सर्वेश कुशारे ने पुरुष ऊंची कूद में रजत पदक जीतकर भारतीय अभियान को और मजबूती दी। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हासिल की गई उनकी सफलता ने एथलेटिक्स दल का उत्साह बढ़ाया है। अब सभी की निगाहें नीरज चोपड़ा, मुरली श्रीशंकर और तेजस्विन शंकर जैसे खिलाड़ियों पर हैं, जिनकी तैयारियों को भी साथी खिलाड़ियों की उपलब्धियां प्रेरित कर रही हैं। पैरा खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शॉटपुट में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इन उपलब्धियों का पूरे दल ने समान उत्साह के साथ स्वागत किया, जिससे यह संदेश गया कि सक्षम और पैरा खिलाड़ी एक ही टीम इंडिया परिवार का हिस्सा हैं।

यूपीसीए स्पीड हंट से उत्तर प्रदेश में छिपी तेज गेंदबाजी प्रतिभाओं को मिल रहा बड़ा मंच : भुवनेश्वर कुमार

एजेंसी, लखनऊ

भारतीय क्रिकेट टीम और लखनऊ फाल्कन्स के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने यूपीसीए स्पीड हंट पहल की जमकर सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के कोने-कोने से उभर रही तेज गेंदबाजी प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें बड़े मंच तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि पिछले तीन सत्रों में यूपीटी-20 लीग ने शानदार सफलता हासिल की है और आने वाले वर्षों में इसका प्रभाव और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि स्पीड हंट की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से कच्ची लेकिन प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजी

क्षमता को सामने लाया है। उन्होंने शुभम गौतम जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि बड़े अनुबंध हासिल करना इस बात का प्रमाण है कि अच्छा प्रदर्शन करने वालों के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि संघ युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतरीन मंच उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि मैदान पर उतरने के बाद हर अवसर का पूरा लाभ उठाना और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना उनकी जिम्मेदारी है। भुवनेश्वर ने कहा कि यूपीटी-20 लीग के माध्यम से युवा क्रिकेटरों को आर्थिक मजबूती भी मिल रही है, लेकिन इसके साथ अपेक्षाएं भी बढ़ती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को सलाह दी कि सफलता का आनंद लें, लेकिन दबाव से दूर रहकर अपने खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। अनुभवी तेज गेंदबाज ने कहा कि यूपीटी-20 जैसी राज्य स्तरीय लीग अब युवा खिलाड़ियों के लिए आईपीएल तक पहुंचने का महत्वपूर्ण रास्ता बन चुकी हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: आधिकारिक वेबसाइट की गलती से फैला भ्रम, हाई जंप फाइनल से बाहर हुए तेजस्विन

एजेंसी, ग्लासगो । राष्ट्रमंडल खेल 2026 में सोमवार को पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा के फाइनल के दौरान भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर को लेकर आधिकारिक परिणाम वेबसाइट की बड़ी गलती से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। वेबसाइट पर उन्हें डीएनएस (डिड नॉट स्टार्ट) दिखाया गया, जबकि लाइव प्रसारण में वह स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में प्रतियोगिता के लिए मौजूद दिखाई दिए। शुरुआत में वेबसाइट की इस त्रुटि से ऐसा लगा कि भारत की ओर से फाइनल में केवल दो खिलाड़ी ही हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि कुछ ही देर बाद तेजस्विन शंकर अपने साथी खिलाड़ियों सर्वेश कुशारे और जे. आदर्श राम के साथ मैदान पर नजर आए, जिससे स्पष्ट हो गया कि वेबसाइट पर डीएनएस दिखाया जाना तकनीकी गलती थी। तेजस्विन ने 2.05 मीटर की शुरुआती ऊंचाई से अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन पहले प्रयास में बार पार नहीं कर सके। प्रयास के बाद मैट पर उतरते समय उन्हें असहजता महसूस हुई और वह चोट से परेशान नजर आए। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया और उनका हाई जंप फाइनल समय से पहले ही समाप्त हो गया। फिलहाल उनकी चोट की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि इस चोट का असर राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी आगामी डेकाथलॉन स्पर्धा में भागीदारी पर पड़ेगा या नहीं।

आईएसएसएफ विश्व कपः सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता कांस्य

एजेंसी, हांगझोउ

चीन के हांगझोउ में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन प्रतियोगिता में भारत की सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाला। दोनों ने फाइनल में कुल 441.2 अंक (220.6-220.6) हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में चीन की दोनों टीमों ने स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। भारतीय निशानेबाजों ने क्वालिफिकेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। सोनम (317.2) और हिमांशु (317.4) ने मिलकर 634.6

अंक जुटाए और फाइनल में जगह बनाई। वहीं एलावेनिल वलारिवन (316.8) और पार्थ राकेश माने (317.4) की दूसरी भारतीय जोड़ी ने 634.2 अंक के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में सोनम और हिमांशु ने संयमित प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक सुनिश्चित किया, जबकि एलावेनिल और पार्थ 378.8 अंक (एलावेनिल 190.5, पार्थ 188.3) के साथ चौथे स्थान पर रहे। पदक जीतने के बाद सोनम उत्तम मस्कर ने कहा कि यह प्रतियोगिता काफी चुनौतीपूर्ण रही और यह सफलता आगामी एशियाई खेलों तथा विश्व चैंपियनशिप के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि बड़े मंच पर मिला अनुभव भविष्य की प्रतियोगिताओं में काफी मदद करेगा।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में मेटालिक टेक्नोफोर्ज की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए पार्ट्स बनाने वाली वाली फोर्जिंग एंड मशीनिंग कंपनी मेटालिक टेक्नोफोर्ज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 77 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 12.99 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 87 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 90.90 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बन जाने पर ये टूट कर 82.65 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक भी आया। हालांकि बाद में खरीदारी होने से लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 83.05 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 6.05 रुपये यानी 7.86 प्रतिशत का फायदा हो

गया। इस कंपनी का 49.96 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 8.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 17.07 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सात गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 64.88 लाख नए शेयर बेचे गए हैं। इसमें कोई भी ऑफर फॉर सेल नहीं है। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, मौजूदा यूनिट को अपग्रेड करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मेटालिक टेक्नोफोर्ज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 4.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.03 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 12.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 51.50 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 75.64 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 97.98 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 10.81 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 27.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 31.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आए उछाल के कारण चेन्नई और मुंबई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 870 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई और मुंबई में सोने की कीमत में 950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,33,710 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

अमृतसर से हब एंड स्पोक इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेशन सुविधा का शुभारंभ

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को अमृतसर एयरपोर्ट से हब एंड स्पोक मॉडल के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाओं की शुरुआत की। इसके साथ ही वाराणसी के बाद अब अमृतसर इस व्यवस्था से जुड़ने वाला देश का दूसरा एयरपोर्ट बन गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि मंत्रालय ने अमृतसर से हब एंड स्पोक अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन सुविधा का शुभारंभ किया है। यह सुविधा अब तक अमृतसर से केवल सात अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें के लिए उपलब्ध थीं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट के वैश्विक नेटवर्क का लाभ अमृतसर से ही मिल सकेगा। इससे वे 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक आसानी से यात्रा कर सकेंगे।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इस अवसर पर अपने वीडियो संदेश के माध्यम से अमृतसर हवाई अड्डे पर उपस्थित सभी हितधारकों को बधाई देते हुए कहा कि हब एंड स्पोक केवल विमानन के संचालन का

मॉडल नहीं है, बल्कि यह एक शानदार अवसर है। इसके लिए दिल्ली केंद्र के तौर पर काम करेगा जबकि अमृतसर पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार भी बनेगा। उन्होंने कहा कि अमृतसर उन भारतीय शहरों में से एक है, जिन्हें प्रवासी भारतीयों से अपने मजबूत संपर्क और बड़ी क्षेत्रीय जनसंख्या को आकर्षित करने के साथ उन्हें विश्व से जोड़ने के लिए इस बदलाव से सबसे अधिक लाभ होगा। यात्री अब एक ही चेक-इन और एक ही बैगेज टैग के जरिए अपनी पूरी अंतरराष्ट्रीय यात्रा कर सकेंगे। नागर विमानन मंत्री ने कहा कि इससे यात्रा पहले की तुलना में अधिक आसान और सुविधाजनक होगी। हर साल लगभग 1.5 लाख यात्री अमृतसर से दिल्ली अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़ने के लिए जाते हैं, जबकि लगभग 1.5 लाख यात्री भी विदेश से दिल्ली होते हुए अमृतसर पहुंचते हैं। नई व्यवस्था से यात्री संख्या में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। मंत्रालय के मुताबिक नई प्रणाली के तहत अंतरराष्ट्रीय यात्री अमृतसर एयरपोर्ट पर ही चेक-इन, इमिग्रेशन और कस्टम्स की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। वहीं, उनका सामान अंतिम अंतरराष्ट्रीय गंतव्य तक सीधे भेजा जाएगा। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें दोबारा इमिग्रेशन या कस्टम्स की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा और वे सीधे अपनी अगली अंतरराष्ट्रीय उड़ान में सवार हो सकेंगे। भारत में हब एंड स्पोक मॉडल की शुरुआत 25 जून 2026 को वाराणसी एयरपोर्ट से हुई थी। पिछले एक महीने में वाराणसी से यात्रा करने वाले यात्रियों को दिल्ली के माध्यम से 18 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जोड़ा गया है।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में दबाव, सपाट स्तर पर सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचे, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया। शेयरों की बिक्री की वजह से इन दोनों सूचकांकों की चाल में दोबारा कमजोरी आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और

निफ्टी 0.01 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टेक महिंद्रा और सिप्ला के शेयर 4.28 प्रतिशत से लेकर 2.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोल इंडिया, एनटीपीसी और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के शेयर 3.85 प्रतिशत से लेकर 1.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,745 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 963 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,782 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

स्विगी इंस्टामार्ट के सीईओ अमितेश कुमार झा का इस्तीफा, नंदिता सिन्हा लेंगी उनकी जगह

एजेंसी, नई दिल्ली । ऑनलाइन फूड और क्विक कॉमर्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी स्विगी के इंस्टामार्ट प्लेटफॉर्म के कारोबार में बड़ा बदलाव हुआ है। इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमितेश कुमार झा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, उनकी जगह अब मिंत्रा की पूर्व सीईओ नंदिता सिन्हा कंपनी का कार्यभार संभालेगी। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि स्विगी के स्वामित्व वाले त्वरित वाणिज्य मंच इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमितेश कुमार झा ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी की सूचना के अनुसार नंदिता सिन्हा 03 अगस्त, 2026 से मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पद संभालेंगी। नंदिता सिन्हा इससे पहले मिंत्रा की सीईओ थीं। कंपनी के मुताबिक, झा ने स्विगी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (समूह) श्रीहर्ष मजेटी को भेजे अपने इस्तीफे में कहा, ''मैं संगठन के बाहर अन्य अवसरों को अपनाने के लिए इंस्टामार्ट के सीईओ पद से इस्तीफा दे रहा हूं।'' वहीं, नई जिम्मेदारी के बारे में सिन्हा ने कहा, ''इंस्टामार्ट भारत में लोगों की रोजमर्रा की खरीदारी के केंद्र में है। मैं अपने सहयोगियों, भागीदारों और उपभोक्ताओं के साथ मिलकर इसकी वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं।''

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला पूजा प्रेसिजन का आईपीओ, पहले घंटे में ही हुआ फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

कारों, इलेक्ट्रिकल व्हेकिल्स और अन्य उद्योगों के लिए एल्युमिनियम पार्ट्स बनाने वाली कंपनी पूजा प्रेसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड का 159.83 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 31 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि तीन अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर चार अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए

खुलने के बाद पहले घंटे में ही ये शेयर फुली सब्सक्राइब हो गया था। सुबह 10:30 बजे तक इस आईपीओ को 1.12 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 285 रुपये प्रति शेयर से लेकर 301 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 800 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 53.10 लाख नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.08 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 32.98 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.01 प्रतिशत और कंपनी के कर्मचारियों के लिए 0.78 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

खुद की हिंदी में गाने की क्षमता पर भरोसा नहीं था यूलिया वंतूर को

हाल ही में रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर ने खुलासा किया कि एक समय ऐसा भी था जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने की क्षमता पर भरोसा नहीं था। उस मुश्किल दौर में, सलमान खान ने उनकी प्रतिभा पर विश्वास जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए लगातार हौसला दिया। यूलिया ने कई मौकों पर स्वीकार किया है कि सलमान के भरोसे ने ही उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने और उसे निखारने में मदद की। यूलिया वंतूर का जन्म 24 जुलाई 1980 को रोमानिया में हुआ था। बचपन से ही उनका रुझान ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने बेहद कम उम्र, मात्र 15 साल में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई। मॉडलिंग के बाद यूलिया ने टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा और रोमानिया की जानी-मानी टीवी एंकर बन गईं। उन्होंने कई लोकप्रिय लाइव शो होस्ट किए और न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया, जिसके लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले। यूलिया ने अपनी शुरुआत को याद करते हुए बताया कि जब वह सिर्फ 19 साल

की थीं, तब पहली बार न्यूज रूम पहुंची थीं और एंकर की नौकरी के लिए आवेदन किया था। शुरुआत में उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका चयन होगा, लेकिन उनकी प्रतिभा को देखकर उन्हें नौकरी मिल गई और यहीं से उनका टीवी में सफर शुरू हुआ। भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री के माहौल को समझना था। शुरुआत में लोग उन्हें अक्सर सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ही ज्यादा जानते थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में आयरलैंड के डबलिन शहर में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म बॉडीगार्ड की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि सिंगिंग की दुनिया में कदम रखना उनके लिए आसान नहीं था, खासकर हिंदी में गाने को लेकर उन्हें खुद पर बिल्कुल विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान खान ने उनकी आवाज और कड़ी मेहनत पर पूरा भरोसा किया। सलमान ने यूलिया को गाने के लिए लगातार प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई के लोकप्रिय गाने सीटीमार में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और एक सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा, और शॉर्ट फिल्म इकोज ऑफ अस में अपनी अदाकारी का प्रदर्शन किया। बता दे कि यूलिया वंतूर भारतीय मनोरंजन जगत में एक जाना-पहचाना नाम बन गई हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सुपरस्टार सलमान खान के साथ उनके संबंधों से जुड़ी रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक विशिष्ट यात्रा है।

प्रभास की स्पिरिट में कैटरीना कैफ की एंट्री? 2 साल बाद एक्ट्रेस की बड़े पर्दे पर होगी वापसी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं. कुछ महीने पहले ही दीपिका पादुकोण इस फिल्म से बाहर हो चुकी हैं, जिसके बाद फिल्म में तृप्ति डिमरी और प्रभास की जोड़ी देखने को मिलेगी. इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है कि एक्ट्रेस कैटरीना कैफ भी फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं, जो फैंस के बीच चर्चा में है. रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के मेकर्स कैटरीना कैफ से कैमियो के लिए बात कर रहे हैं. फिल्म में उनका स्क्रीन टाइम कम हो सकता है, लेकिन वो एक मजबूत किरदार में दिखाई देंगी. अगर कैटरीना फिल्म में नजर आती हैं, तो ये उनके फैंस के लिए बहुत खास होने वाला है. शादी के बाद बड़े पर्दे पर वो बहुत कम दिखाई दी है और कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाई. इसीलिए स्पिरिट उनकी बड़ी फिल्मों में से एक हो सकती हैं. हालांकि कैटरीना या मेकर्स ने इसे लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया हैं. बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आने वाली थी. लेकिन न्यूज 18 शोशा के अनुसार, उन्होंने मेकर्स से 8 घंटे की शिफ्ट, 25 करोड़ फीस के अलावा फिल्म के प्रॉफिट का 10त्न की मांग की

थी. इसी वजह से मेकर्स और उनके बीच बात नहीं बनी और उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया. इसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म के लिए चुना गया और वो दीपिका से कम फीस ले रही हैं. वहीं बात करें कैटरीना की, तो उन्होंने करीब 20 साल पहले मल्लीस्वरी में वेंकटेश और अल्लारी पिडुगु में नंदामुरी बालकृष्ण के साथ तेलुगु फिल्म में काम किया था. बाद में वो बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय रही और आखिरी बार उन्हें 2024 में मेरी क्रिसमस फिल्म में विजय सेतुपति के साथ देखा गया.

बॉक्स ऑफिस पर गट्टा कुश्ती 2 बनीं ऐश्वर्या लक्ष्मी की तीसरी हाईएस्ट ग्रॉसर, एक और बनाया रिकॉर्ड

बॉक्स ऑफिस पर अक्सर छोटे बजट की फिल्में धाकड़ कलेक्शन करती हैं. बॉलीवुड से ज्यादा साउथ की फिल्मों का बोलबाला देखने के लिए मिल रहा है. ऐसे में तमिल की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म गट्टा कुश्ती 2 ने शानदार बिजनेस कर लिया है. फिल्म रिलीज होते ही छा गई थी. इसमें कोई बड़ी स्टारकास्ट नहीं है. अब फिल्म ने एक नया रिकॉर्ड बना दिया है. चलिए बताते हैं इसके बारे में. फिल्म गट्टा कुश्ती 2 का बॉक्स ऑफिस पर जलवा देखने के लिए मिला. ऐश्वर्या लक्ष्मी की इस फिल्म ने हाईएस्ट ग्रॉसिंग की लिस्ट में एंट्री कर चुकी है. फिल्म चौथे हफ्ते भी अच्छी खासी कमाई कर रही है और रिपोर्ट के अनुसार, इसका नेट कलेक्शन 40 करोड़ के पार हो गया है और फिल्म मामन को इसे पछाड़ दिया है. रिपोर्ट के अनुसार, गट्टा कुश्ती 2 ने 16 दिनों के बाद फिल्म का नेट कलेक्शन 40.69 करोड़ हो चुका है. इसने ऐश्वर्या लक्ष्मी की 2025 में आई फिल्म मामन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया, जिसका लाइफटाइम नेट कलेक्शन 40.20 करोड़ था. गौरतलब है कि गट्टा कुश्ती 2 की कमाई में थलापति विजय की फिल्म जन नायकन की रिलीज के बाद ब्रेक लग गया है. जन नायकन रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर गर्दा ही उड़ा दिया है. इसने तमिल ही नहीं बल्कि बॉलीवुड फिल्मों की भी छुट्टी कर दिया है. बहरहाल, अगर फिल्म के प्रॉफिट की बात की जाए तो गट्टा कुश्ती 2 का नेट कलेक्शन 40.69 करोड़ हो चुका है और कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, इसकी बजट 27 करोड़ है. इस लिहाज से फिल्म ने अच्छा खासा प्रॉफिट कमा लिया है. फिल्म ने 50.70त्न प्रॉफिट कमा लिया है. इसके अलावा अगर फिल्म गट्टा कुश्ती 2 के बारे में बात की जाए तो ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा तमिल फिल्म है. इसका निर्देशन निर्देशन चेल्ला अय्यावु ने किया है. फिल्म में ऐश्वर्या लक्ष्मी के साथ ही एक्टर विष्णु विशाल ने लीड रोल प्ले किया है.

टीवी सबसे बड़ा स्कूल है, लोग इसे कम क्यों समझते हैं?, निहारिका चौकसे ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो तुम से तुम तक को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है। उन्होंने आगे कहा, टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को

वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।निहारिका चौकसे ने कहा, मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है। रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं। उन्होंने कहा, मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए झलक दिखला जा मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, खतरों के खिलाड़ी में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।

बच्चों को छोटी उम्र में ही तैराकी सिखाने के मिल सकते हैं ये 5 फायदे

बच्चों को छोटी उम्र में तैराकी सिखाना एक बेहतरीन विचार हो सकता है। इससे न केवल उनका शारीरिक विकास होता है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना भी मिलती है। तैराकी सीखने से बच्चे पानी के प्रति डर को भी दूर कर सकते हैं और आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। इस लेख में हम 5 प्रमुख फायदों पर चर्चा करेंगे, जो बच्चों को तैराकी सिखाने से मिल सकते हैं। तैराकी एक ऐसी गतिविधि है, जो पूरे शरीर को सक्रिय रखती है। छोटे बच्चे जब तैराकी सीखते हैं तो उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनका शारीरिक विकास बेहतर होता है। इसके अलावा तैराकी से बच्चों का संतुलन और तालमेल भी सुधरता है, जिससे वे शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय और स्वस्थ रहते हैं। नियमित तैराकी से बच्चों की शारीरिक क्षमता बढ़ती है और उनका शरीर लचीला

भी बनता है। तैराकी सीखने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। जब बच्चे पानी में तैरना सीखते हैं और इसमें माहिर होते हैं तो उनका आत्मसम्मान भी बढ़ता है। वे खुद पर विश्वास करना सीखते हैं और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। इसके अलावा पानी में समय बिताने से बच्चे अधिक आत्मनिर्भर बनते हैं और उनकी समस्या समाधान की क्षमता भी बेहतर होती है। इससे उनका मानसिक विकास भी होता है। आपातकालीन स्थितियों में खुद को रख तैराकी सीखने से बच्चे आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। अगर कभी भी किसी तरह की दुर्घटना हो जाए या किसी को मदद की जरूरत पड़े तो बच्चे तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं। इसके अलावा तैराकी सिखाने से बच्चे पानी के प्रति जागरूक रहते हैं और उसमें सुरक्षित तरीके से समय बिताते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और वे अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करते हैं। तैराकी क्लासेस या स्विमिंग पूल पर जाकर बच्चे नए दोस्तों से मिलते हैं और सामाजिक संबंध बनाने का मौका मिलता है। वे टीम वर्क सीखते हैं और दूसरों के साथ मिलकर काम करना जानते हैं। इसके अलावा तैराकी सिखाने से बच्चों में सहयोग

की भावना भी विकसित होती है। इससे वे दूसरों की मदद करना और साथ मिलकर काम करना सीखते हैं। तैराकी क्लासेस बच्चों के सामाजिक जीवन को समृद्ध बनाती हैं और उन्हें एकजुटता का अनुभव कराती हैं। तैराकी केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होती है। पानी में समय बिताने से मन शांत रहता है और तनाव कम होता है। बच्चों को छोटी उम्र से ही तैराकी सिखाने से उनका मानसिक विकास भी बेहतर होता है। इससे वे अधिक संतुलित और खुश रहते हैं। इस प्रकार बच्चों को छोटी उम्र में तैराकी सिखाना कई प्रकार से उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सभी सुरक्षित रहें, सबकी बात शांति से सुनी जाएः इब्राहिम अली

अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने सीजेपी के प्रदर्शन और छात्रों के विरोध को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। सोशल मीडिया के माध्यम से इब्राहिम ने छात्रों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए किसी को भी डर या अनिश्चितता का सामना नहीं करना चाहिए। इब्राहिम अली खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तिरंगे की तस्वीर साझा करते हुए एक लंबा पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, छात्रों और उनके परिवारों को इस तरह अशांति के बीच फंसा देखना बेहद दुखद है। सिर्फ पढ़ाई जारी रखने या शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध-प्रदर्शन करने के लिए किसी को भी डर या अनिश्चितता का सामना नहीं करना चाहिए। हमारी अपनी-अपनी राय हो सकती है, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि सभी सुरक्षित रहें, सबकी बात शांति से सुनी जाए और बिना किसी और नुकसान के इस स्थिति का समाधान निकले। इस मुश्किल समय से प्रभावित सभी लोगों के लिए मैं हिम्मत की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि आगे का रास्ता सकारात्मक होगा। जय हिंद। इब्राहिम अली खान के अलावा फिल्म इंडस्ट्री के कई और कलाकारों ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। ऑस्कर विजेता साउंड डिजाइनर रसूल पुकुट्टी ने जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि दूसरे देशों में होने

वाले ऐसे विरोध प्रदर्शन भारत से जुड़े नहीं हैं, लेकिन अब अपने ही देश में सामने आ रही तस्वीरें भी उतनी ही गंभीर नजर आती हैं। रसूल पुकुट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, जब अमेरिका के मिनेसोटा में आईसीई विरोध प्रदर्शन हुआ था, तब हमें लगा था कि वह हमारी समस्या नहीं है। लेकिन अब अपने ही देश के जंतर-मंतर की ओर देखिए। वहां की तस्वीरें काफी हद तक वैसी ही नजर आ रही हैं। मेरी प्यारे जेनजी, आपने खामोशी को हिम्मत में और हिम्मत को उम्मीद में बदल दिया है। आपका यह विरोध एक धड़कती हुई कविता की तरह है। तमिल फिल्म अभिनेत्री दुशारा विजयन ने भी छात्रों के समर्थन में अपनी बात रखी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सड़कों पर खड़े छात्रों को देखकर मेरा मन बेहद व्यथित है।

Sarnath joins Unesco World Heritage list

New Delhi, Agency: India's ancient Buddhist site of Sarnath in Uttar Pradesh was on Saturday inscribed on the UNESCO World Heritage List, becoming India's 45th site to receive this recognition. India ranks sixth globally and second in Asia Pacific Region for the most number of 'World Heritage Sites'.

Interestingly, the ancient site of Sarnath was included in the tentative list of world heritage in 1998. The proposal to include the site in the list of world heritage was sent for the consideration of the

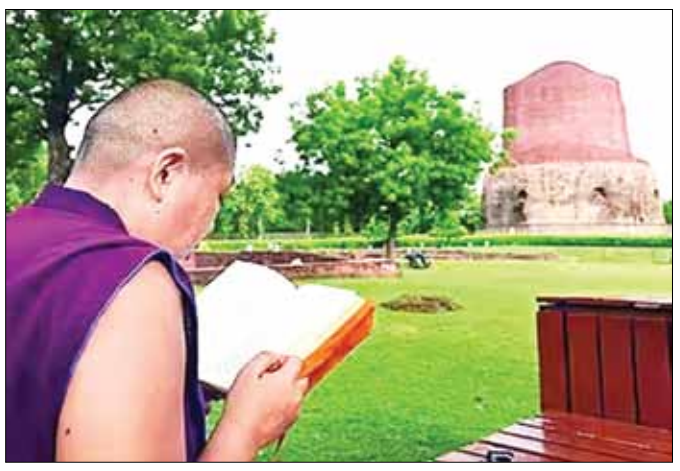

World Heritage Committee in Jan 2025. The decision on the inscription was taken at the 48th session of the World Heritage Committee being held at Busan, South Korea.

Prime Minister Narendra Modi lauded the historic milestone. "A proud moment for every Indian! Delighted that Sarnath in Uttar Pradesh has been inscribed on the UNESCO World Heritage List. Sarnath has a close association with Lord Buddha, whose timeless message of wisdom, compassion and harmony inspires the world," the PM said in a post on X.

"This recognition celebrates India's profound civilisational and spiritual heritage. It will also inspire more people across the world to come to Sarnath and connect with the ideals of Lord Buddha," the PM added.

Culture minister Gajendra Shekhawat said that the inscription reaffirms India's enduring role as the cradle of ideas that continue to inspire the world across generations.

"The serial property contains the architectural and archaeological remains of Sarnath, the sacred site where the Buddha is believed to have delivered his first sermon in the 6th century BCE and met his earliest disciples," the description of the newly inscribed site highlights on the UNESCO website.

"Identified by the Buddha himself as one of the four principal Buddhist pilgrimage sites, Sarnath grew over many centuries through royal, monastic, and lay patronage, resulting in the construction of numerous stupas, temples, and viharas," it added. "After flourishing as a major Buddhist centre, Sarnath declined in the 12th century CE and fell into obscurity until its rediscovery in the 18th century. Today preserved as two archaeological zones, it remains both an important tourist destination and a revived pilgrimage site for Buddhists worldwide," UNESCO states.

BRIFF NEWS

Piyush Goyal files police complaint over deep-fake video; FIR lodged

New Delhi, Agency: Union Commerce Minister Piyush Goyal on Saturday filed a police complaint after a deep-fake video purportedly showing him making inflammatory remarks against the Cockroach Janta Party (CJP) went viral on social media.

In a post on X, he said the video was fake and had been manipulated using artificial intelligence (AI). In the said video, Goyal can be heard "threatening" protesting students. Many social media links related to the video had been taken down, government sources said. An investigation by the Press Information Bureau (PIB) Fact Check also found that it was a fabricated video. It said the viral clip was doctored and was being circulated by Pakistan-backed propaganda social media accounts with the alleged intent of misleading people and inciting unrest amid the ongoing student protests in Delhi.

Sirsa Hosts CBSE Swimming Championship

New Delhi, Agency: The four-day CBSE North Zone-2 Boys' Swimming Championship began in Sirsa on Saturday, with more than 1,200 swimmers from over 356 CBSE schools across North India taking part. The event is being hosted by Shah Satnam Ji Girls' School. The championship was inaugurated by Anil Khatri, Vice-President of the Swimming Federation of India and the Haryana Olympic Association, and General Secretary of the Haryana Swimming Association.

Amarnath Yatra Resumes via Baltal

New Delhi, Agency: After remaining suspended for six days due to inclement weather, the annual Amarnath Yatra resumed on Saturday, with authorities allowing the pilgrimage only through the Baltal route while keeping the traditional Pahalgam route temporarily closed for repairs. The pilgrimage had been suspended on July 19 as a precautionary measure following persistent rainfall and adverse weather conditions that affected both the 48-km Pahalgam route in Anantnag district and the 14-km Baltal route in Ganderbal district leading to the 3,880-metre-high holy cave shrine.

Nepal eases rules on Indian currency, allows Rs 200 and Rs 500 notes up to Rs 25,000

New Delhi, Agency: Nepal has eased restrictions on the movement of Indian currency, allowing Indian and Nepali citizens to carry Indian Rs 200 and Rs 500 notes issued after November 9, 2016. According to the Nepal Rastra Bank (NRB), the permitted notes can be carried into or taken out of Nepal up to a limit of Rs 25,000 per person. According to news agency PTI, the revised rules permit citizens of both countries to bring the approved currency notes into Nepal, carry them within the country, or take them

out, subject to existing regulations.

In its latest notice, the NRB clarified that older Indian currency notes issued before the 2016 demonetisation period will continue to remain prohibited in Nepal. The NRB added that only redesigned Indian Rs 500 notes and Rs 200 notes introduced after November 9, 2016, will be permitted under the new arrangement.

The central bank had initially published the provision in the Nepal Gazette on February 11. However, it issued another notice on Thursday to clarify the implementation process and address concerns over cross-border currency movement. NRB spokesperson Guru Prasad Paudel said Nepali citizens would not be allowed to bring Indian currency into Nepal from countries other than India.

CRPF to do post-analysis of RAF action in NEET protests, says DG 47 RAF personnel injured

New Delhi, Agency: CRPF director general Gyanendra Pratap Singh on Saturday said the force would conduct a professional post-analysis of the action taken by personnel of Rapid Action Force (RAF), a unit of CRPF, against anti-NEET paper leak protestors, including during the July 20 march to Parliament. "Now, since agitation has been called off, and once assembled people disperse, we would make a professional post-event assessment, like we do after every major assignment, and then let you know of the view of force headquarters," Singh told Media on Saturday. This is the first official statement from CRPF in the wake of allegations that pellet guns were used against protestors during the July 20 march to Parliament.

Three people have claimed to have suffered pellet injuries in the police action. At least 47 RAF personnel too sustained injuries, allegedly from violent elements in the protests.

Sources said the post-event assessment by CRPF will go into all possible aspects of RAF deployment during the protests. This would include action taken by RAF personnel against the protestors, riot-control gear used by them and whether the ground situation justified it. It will examine if the RAF response was graded and in line with the standard operating procedures and riot control manual.

An officer said the CRPF will also examine the provocation and aggression that the RAF personnel likely faced at the hands of external, motivated elements who may have infiltrated the protests.

CRPF sources said of the 47 RAF personnel injured during the course of their deployment for protests in the Capital, six have sustained head injuries and four, fractures.

4 ministers, 1 decade: How education policy evolved under BJP regime

New Delhi, Agency: Since 2014, India has seen four leaders serve as education ministers: Smriti Irani, Prakash Javadekar, Ramesh Pokhriyal 'Nishank' and Dharmendra Pradhan. Of them, only Pradhan completed a five-year tenure in the role. A notable change during this period was the renaming of the MHRD as the Ministry of Education on July 29, 2020, following the adoption of the National Education Policy (NEP) 2020. Smriti Irani became the Minister of Human Resource Development (MHRD) on May 26 2014 and continued till July 5 2016. She oversaw the rollback of Delhi University's controversial Four-Year Undergraduate Programme (FYUP) which was backed by the then HRD minister Kapil Sibal in 2013. The National Institutional Ranking Framework (NIRF) to rank higher education institutions was launched by the Irani in 2015. Under her tenure the Global Initiative of Academic Networks (GIAN) was expanded to bring international faculty to Indian institutions and schemes such as Udaan and Pragati to encourage girls' participation in engineering education were promoted. In 2016 she was shifted to the textiles ministry during the Cabinet reshuffle.

Pralhad Joshi, man with a low profile & an effective style

New Delhi, Agency: Pralhad Venkatesh Joshi, the new Union education minister, is one of BJP's most experienced parliamentarians and has been in PM Narendra Modi's Cabinet since 2019. The five-time MP from Karnataka also served as president of BJP's Karnataka unit and played a key role in expanding party's footprint in the state before coming to the Centre.

Known for his low-profile yet effective style, Joshi has handled important parliamentary and ministerial responsibilities over the years. Before his latest assignment as education minister, he was in charge of consumer affairs, food and public distribution, and new and renewable energy ministries, portfolios that will stay with him.

In 2019, he was sworn-in as cabinet minister and given charge of the portfolios of parliamentary affairs, coal and mines until 2024. As parliamentary affairs minister, he handled the passage of key legislation, including the abrogation of Article 370 and the Women's Reservation Bill.

45% of Indian exports to US exempt from new tariff: Govt

New Delhi, Agency: India has been placed in the lower tariff tier under the United States' final Section 301 measures on forced labour-related imports, with Indian goods attracting an additional 10 per cent duty instead of the initially proposed 12.5 per cent levy, the government said on Saturday. It said around 45 per cent of the exports to the US would remain exempt from the new tariff.

The US on Friday announced the additional tariff on imports from India and 60 other economies over concerns related to the use of forced labour in manufacturing. New Delhi said sustained engagement with US authorities during the investigation helped secure the lower tariff tier and minimise the impact on Indian exports. The government had made detailed submissions, held consultations and participated in public hearings during the United States Trade Representative's (USTR) probe.

Highlighting the exemptions under the final measures, the government said around 45 per cent of India's exports to the US would remain outside the ambit of the additional duty.

Key export sectors, including generic pharmaceuticals, smartphones and certain specified products that currently attract zero additional duties, will remain exempted. Products already covered under separate Section 232 measures, including steel, aluminium and auto parts, will also not attract the additional duty. The remaining 55 per cent of exports will face the additional 10 per cent duty.

Ludhiana police arrest Rajasthan man in Rs 2.5-cr cyber fraud case

New Delhi, Agency: The cybercrime wing of the police arrested a Rajasthan resident over alleged involvement in a Rs 2.5-crore fraud with a local firm. The accused, Manvender Singh, a resident of Jodhpur in Rajasthan, is the key suspect in the case and was arrested following raids at various places in Rajasthan.

The police said approximately Rs 18 lakh were recovered and returned to the victim.

According to inspector Satbir Singh, in-charge, Cyber Crime Police Station, preliminary investigation had found that Manvender Singh and his associates claimed to be owners of a firm based here and duped its manager.

Kargil lessons shaped Operation Sindoor Former army chief General VP Malik

Chandigarh, Agency: Twenty-seven years after leading the Army during the 1999 Kargil War, former Army chief General VP Malik (retd) said the conflict's hard lessons - from equipment shortages and intelligence gaps to the need for self-reliance - transformed India's military capabilities, enabling the precision strikes on Pakistani airfields during last year's Operation Sindoor without crossing the border.

"The biggest operational lessons were the need to strengthen intelligence, surveillance and achieve 'atmanirbharta (self-reliance)' in military hardware," Gen Malik told Media in an interview ahead of the 27th anniversary of Kargil Vijay Diwas. Those lessons, he said, shaped India's military preparedness over the next two decades.

Citing Operation Sindoor, he pointed to the armed forces' growing reliance on short- and long-range drones for surveillance and precision strikes, along with advanced rockets and missiles. "We did not have to enter Pakistani territory when we struck airfields and radar stations, causing major havoc," he said, contrasting it with Kargil.

He said indigenous and imported platforms, including BrahMos, Akash and the S-400, were now tested in real-world conditions.